राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या, प्रयागराज, मिर्जापुर, गोरखपुर, बरेली, बुंदेलखंड, उत्तराखंड, देहरादून

सीतापुर, रविवार, 25 जनवरी 2026
वर्ष 14, अंक 276, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, झारखण्ड, बिहार, मध्य प्रदेश, असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

दबंगई की हद! विरोध के बावजूद कूड़ाघर के किनारे राशन दुकान, बिराहिमपुर में उबाल..03

सिलापथार में सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, सिलागांव में शोक की माहौल..04

शेख़ हसीना ने यूनुस को 'क़ातिल फासीवादी' कहा, पिछले साल की घटनाओं की संयुक्त राष्ट्र से जांच की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- भारत में निर्वासन में रह रहीं बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख़ हसीना ने नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को 'हत्यारी फासीवादी' करार देते हुए पिछले साल की घटनाओं की संयुक्त राष्ट्र से जांच कराने की मांग की है. यह बयान उन्होंने प्रतिबंधित अवामी लीग के वरिष्ठ नेताओं के साथ एक दुर्लभ सार्वजनिक उपस्थिति में दिया. ये टिप्पणियां शुक्रवार (23 जनवरी) को नई दिल्ली के फ़ॉरेन कॉरेस्पॉन्डेंट्स क्लब ऑफ साउथ एशिया में आयोजित एक मीडिया संवाद के दौरान ऑडियो लिंक के ज़रिए दी गई. अगस्त 2024 में सत्ता से हटाए जाने के बाद यह पहला मौका था जब अवामी लीग के इतने वरिष्ठ नेता पूर्व प्रधानमंत्री के साथ सार्वजनिक रूप से एक मंच पर नजर आए. मालूम हो कि हसीना को हटाए जाने के बाद पार्टी की राजनीतिक गतिविधियों पर रोक लगा दी गई थी और उसके अधिकांश नेता निर्वासन में चले गए थे. बीते साल नवंबर में बांग्लादेश की एक घरेलू विशेष अदालत ने जुलाई आंदोलन के दौरान 'मानवता के खिलाफ अपराध' के आरोप में शेख़ हसीना को मृत्युदंड की सज़ा सुनाई थी. अंतरिम सरकार ने हसीना के प्रत्यर्पण की मांग दोहराई है, लेकिन भारत ने इस पर अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

हसीना इससे पहले रिकॉर्डेड संदेशों और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करती रही हैं. गुरुवार की यह उपस्थिति निर्वासन में जाने के बाद मीडिया के सामने उनका पहला लाइव सार्वजनिक बयान था. अपने संबोधन में हसीना ने कहा, 'हत्यारा फासीवादी यूनुस, एक मनी लॉन्ड्रर, लुटेरा, भ्रष्ट और सत्ता का भूखा गद्दार है, जिसने अपनी सब निगलने सरीखी नीतियों से हमारे देश को निचोड़ दिया है और मातृभूमि की आत्मा को कलंकित किया है. एक घायल और रक्तरंजित राष्ट्र बनकर बांग्लादेश आज खाई के किनारे खड़ा है. पूरा देश एक विशाल जेल, एक फांसीघर और मौत की घाटी बन चुका है.' हसीना की यह उपस्थिति भारत और बांग्लादेश के बीच बढ़ते तनाव के बीच हुई है. ढाका ने भारत में निर्वासन के दौरान हसीना के राजनीतिक बयानों पर बार-बार आपत्ति जताई है. हाल के महीनों में दोनों देशों के बीच राजनयिक तनाव बढ़ा है, दोनों ने एक-दूसरे के उच्चायुक्तों को तलब किया है और क्रिकेट से जुड़ा विवाद भी द्विपक्षीय रिश्तों पर असर डाल रहा है. अपने बयान में हसीना ने यूनुस प्रशासन को हटाने, सड़क हिंसा समाप्त करने, अल्पसंख्यकों और महिलाओं की सुरक्षा की गारंटी, राजनीतिक रूप से प्रेरित मुकदमों पर रोक और पिछले एक साल की घटनाओं की 'नई और पूरी तरह निष्पक्ष' संयुक्त राष्ट्र जांच की मांग की।

आगामी चुनाव

अगस्त 2024 तक 15 वर्षों तक बांग्लादेश पर शासन करने वाली अवामी लीग को आगामी चुनावों से बाहर कर दिया गया है. कार्यक्रम में मौजूद पार्टी प्रतिनिधियों ने पुष्टि की कि वे इस चुनाव के पूर्ण बहिष्कार का आह्वान कर रहे हैं. बांग्लादेश में 12 फरवरी को होने वाले चुनाव के लिए गुरुवार से प्रचार शुरू हो गया है और सभी प्रमुख राजनीतिक दल रैलियां कर रहे हैं. वीडियो लिंक के जरिए बोलते हुए हसीना सरकार में सूचना एवं प्रसारण मंत्री रह चुके मोहम्मद अली अराफात ने कहा, 'हमारा रुख बिल्कुल साफ है. हमने न सिर्फ अवामी लीग के मतदाताओं और समर्थकों से, बल्कि पूरे देश के मतदाताओं से इस चुनाव के बहिष्कार की अपील की है।'

उन्होंने कहा कि पार्टी को 'जबरन प्रतिबंधित कर इस प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया है.' सत्ता में अपने 15 वर्षों के दौरान हसीना सरकार पर लोकतांत्रिक गिरावट के आरोप लगते रहे थे. साल 2014 और 2024 के आम चुनावों का प्रमुख विपक्षी दलों ने यह कहते हुए बहिष्कार किया था कि चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं होंगे. चुनाव के बाद पार्टी की आगे की रणनीति को लेकर जब पत्रकारों ने सवाल किए, तब नेताओं के जवाब स्पष्ट नहीं थे. हसीना सरकार में शिक्षा मंत्री और चटगांव से सांसद रहे मोहीबुल हसन चौधरी नऊफ़ेल ने संकेत दिया कि पार्टी हालात के बदलने का इंतज़ार कर रही है. उन्होंने कहा, 'हम उस समय का इंतजार कर रहे हैं जब सेना हमारे कार्यकर्ताओं का पीछा नहीं कर रही होगी. यह एक राजनीतिक रणनीति है.' नऊफ़ेल ने पार्टी के इतिहास का हवाला देते हुए कहा, '1975 के बाद लंबे समय तक हमारी पार्टी पर प्रतिबंध रहा, लेकिन हमने पुनर्गठन किया और राजनीतिक गतिविधियों में लौटे और जनता के जनादेश से सत्ता में आए।'

उन्होंने यह भी माना कि पार्टी को संगठित करने में कई मुश्किलें हैं, क्योंकि अधिकांश वरिष्ठ नेता या तो निर्वासन में हैं या जेल में हैं. उन्होंने कहा, 'हमारे ज्यादातर जनप्रतिनिधि, सांसद, स्थानीय निकायों के अधिकारी और निर्वाचित प्रतिनिधि जेल में हैं.' पार्टी नेताओं ने दावा किया कि उन्हें अब भी व्यापक जनसमर्थन हासिल है. नऊफ़ेल ने कहा, 'सर्वेक्षणों और जनता से मिल रहे फीडबैक के आधार पर लोग शेख़ हसीना को वापस चाहते हैं.' हालांकि उन्होंने इन दावों का कोई स्वतंत्र प्रमाण नहीं दिया. भारतीय सरकार से अपेक्षाओं के बारे में पूछे जाने पर अराफात ने कहा कि पार्टी चाहती है कि 'बांग्लादेश में लोकतंत्र लौटे.' उन्होंने अवामी लीग को 'एकमात्र उदार धर्मनिरपेक्ष ताकत' और 'बांग्लादेश में कट्टर इस्लामवाद के उभार के खिलाफ एकमात्र बाधा' बताया. पैनल में शामिल नेताओं ने अगस्त 2024 के बाद बड़े पैमाने पर मानवाधिकार उल्लंघनों का आरोप लगाया, हालांकि इन आंकड़ों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है. उन्होंने भीड़ द्वारा 637 लोगों की मौत, 3,59,000 गिरफ्तारियां (मुख्यतः अवामी लीग सदस्यों की) और 537 नेताओं व कार्यकर्ताओं की हत्या का दावा किया।

पूर्व अवामी लीग सांसद एम. हबीबे मिल्लत ने अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न और धार्मिक स्थलों पर हमलों के आरोपों का विवरण दिया. प्रश्नोत्तर के दौरान एक रिपोर्टर ने चटगांव में युवा प्रदर्शनकारियों से मुलाकात का जिक्र किया, जिसमे कुछ 18 वर्ष से कम उम्र के थे और वे 'स्थायी रूप से विकलांग' या 'आंखों की रोशनी खो चुके' बताए गए थे. उन लोगों ने अपने हमलावरों के रूप में पुलिस या अवामी लीग की छात्र शाखा छात्र लीग के सदस्यों की पहचान की. इस पर नऊफ़ेल ने कहा, 'यह हंसी का विषय नहीं है. हमने इन घटनाओं की गहन जांच की मांग की है. हमने कभी यह नहीं कहा कि अगर हमारी किसी गतिविधि की जिम्मेदारी बनती है तो उन्हें अभियोजन से छूट दी जाएगी।'

'ऑपरेशन सिंदूर पर दिए बयान पर नहीं खेद', सांसद शशि थरूर कांग्रेस को लेकर क्या बोले?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अपनी पार्टी को लेकर रुख साफ कर दिया है. साथ ही उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पर दिए बयान पर उन्हें कोई खेद नहीं है. थरूर ने कहा कि संसद में पार्टी के घोषित रुख का उन्होंने कभी उल्लंघन नहीं किया है. उनका कहना है कि पार्टी से उनकी एकमात्र सार्वजनिक असहमति ऑपरेशन सिंदूर को लेकर थी. तिरुअनंतपुरम सांसद शशि थरूर ने शनिवार को केरल लिटरेचर फेस्टिवल के दौरान मीडिया से बात करते हुए कहा, 'मैं 17 साल से कांग्रेस में हूं. कुछ मुद्दे हैं जिन्हें पार्टी नेतृत्व के सामने ही रखूंगा.' उन्होंने कहा कि अंदरूनी मतभेदों पर सार्वजनिक बात करने के बजाए संगठन के भीतर ही चर्चा होनी चाहिए. उन्होंने कहा, 'जल्द ही मैं संसद के लिए दिल्ली जाऊंगा और मुझे विश्वास है कि मुझे पार्टी नेतृत्व के सामने अपनी चिंताओं को रखने और उनका नजिरया जानने का मौका मिलेगा।'

थरूर पार्टी नेतृत्व से करेंगे मुलाकात

सांसद शशि थरूर ने जो अभी तक हुआ है उसे ठीक करने की जरूरत है. केरल चुनाव को लेकर हाल ही में हुई बैठक में मौजूद नहीं रहने के सवाल पर थरूर ने कहा कि लगातार यात्रा में दिक्कत के चलते पार्टी नेतृत्व को इसके बारे में पहले ही बता दिया था. नेतृत्व ने उनकी बात को तवज्जों दी. उन्होंने जोर देते हुए कहा कि मुझसे जुड़ी कुछ खबरें सच्ची हो सकती हैं, और कुछ झूठी. इसका मतलबा यह नहीं है कि 'मैं पार्टी से अलग हूं.' थरूर ने कहा कि संसद में वह कांग्रेस की सभी गतिविधियों में जरूर शामिल होंगे. उसी दौरान वह पार्टी नेतृत्व से भी मिल सकते हैं.

राष्ट्रहित की बात पर भारत सर्वोपरि

कोच्चि में पार्टी कार्यक्रम के मामले में पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि वह इस पर किसी भी टिप्पणी नहीं करेंगे. कांग्रेस सांसद ने कहा कि बेहतर भारत के निर्माण की प्रक्रिया के तहत राजनीतिक दलों के बीच मतभेद हो सकते हैं लेकिन जब राष्ट्रहित की बात आती है तो भारत को ही सर्वोपरि होना चाहिए. उनका यह बयान इन हालिया खबरों के बीच आया है जिनमें थरूर के पार्टी नेतृत्व से मतभेद की बात कही गई है. दावा है कि राज्य के नेताओं द्वारा बार-बार उन्हें दरकिनार करने की कोशिश की जा रही है।

पहलगाम घटना के बाद अखबार में लिखा लेख

थरूर ने अपनी बात स्पष्ट करते हुए कहा कि एक पर्यवेक्षक और लेखक के रूप में उन्होंने पहलगाम घटना के बाद एक अखबार में लेख लिखा था जिसमें उन्होंने कहा था कि इसकी सजा मिलनी चाहिए और ठोस कार्रवाई होनी चाहिए।

साथ ही उन्होंने कहा था कि भारत विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, ऐसे में उसे पाकिस्तान के साथ लंबे टकराव में नहीं पड़ना चाहिए और कोई भी कार्रवाई आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाने तक सीमित होनी चाहिए।

भारत सरकार ने वही किया, जैसा उन्होंने कहा था

कांग्रेस सांसद ने कहा कि उन्हें आश्चर्य हुआ कि भारत सरकार ने ठीक वही किया जैसा उन्होंने कहा था. थरूर ने कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने ही यह प्रश्न किया था कि अगर भारत खत्म हो जाएगा तो कौन जीवित रहेगा? उन्होंने कहा, जब भारत दांव पर हो, जब भारत की सुरक्षा और दुनिया में उसका स्थान दांव पर हो तो भारत पहले आता है।

संक्षिप्त ख़बरें

अमेरिका में चार भारतीयों की गोली मारकर हत्या, बच्चों ने जान बचाने के लिए खुद को अलमारी में किया बंद

अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में घरेलू विवाद के चलते एक भारतीय महिला और उसके तीन रिश्तेदारों की गोली मारकर हत्या कर दी गई. वहीं तीन बच्चे हिंसा से बचने के लिए अलमारी में छुप गए. हमला करने वाला कोई और नहीं बल्कि महिला का पति ही था. यह जानकारी अधिकारियों ने दी है. यह घटना शुक्रवार तड़के लॉरेंसविल शहर के एक घर में हुई, जो अटलांटा के पास है. अटलांटा स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने पुष्टि की कि पीड़ितों में एक भारतीय नागरिक भी शामिल है और बताया कि संदिग्ध हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है. भारत के वाणिज्य दूतावास ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वह शोक संतप्त परिवार को हर संभव सहायता दे रहा है।

भारतीय दूतावास ने क्या कहा?

मिशन ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए कहा, 'हम एक दुखद गोलीबारी की घटना से गहरे दुखी हैं, जो कथित पारिवारिक विवाद से जुड़ी है, जिसमें एक भारतीय नागरिक भी पीड़ितों में शामिल है. संदिग्ध हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है और शोक संतप्त परिवार को हर संभव सहायता दी जा रही है.' स्थानीय मीडिया ने आरोपी की पहचान अटलांटा निवासी 51 वर्षीय विजय कुमार के रूप में की है. ग्विनेट काउंटी पुलिस के अनुसार, पीड़ितों में विजय कुमार की पत्नी मीनू डोगरा (43), गौरव कुमार (33), निधि चंदर (37) और हरीश चंदर (38) शामिल हैं।

जान बचाने के लिए बच्चे अलमारी में घुसे

पुलिस ने बताया कि उन्हें स्थानीय समयानुसार रात करीब 2:30 बजे ब्रुक आइवी कोर्ट स्थित एक घर से 911 पर कॉल मिली थी. मौके पर पहुंचने पर पुलिस ने घर के अंदर चार वयस्कों को मृत पाया, जिनके शरीर पर गोली लगने के घातक निशान थे. जांचकर्ताओं ने बताया कि घटना के समय तीन बच्चे भी घर में मौजूद थे. बच्चों ने खुद को बचाने के लिए अलमारी में छुपा लिया और उनमें से एक ने इमरजेंसी सर्विस को कॉल कर दी, जिससे पुलिस कुछ ही मिनटों में मौके पर पहुंच गई. बच्चों को कोई चोट नहीं आई और बाद में उन्हें परिवार के एक सदस्य की देखरेख में सौंप दिया गया. आरोपी पर कई गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है, जिनमें गंभीर हमला, फेलोनी मर्डर, जानबूझकर हत्या और बच्चों के साथ क्रूरता शामिल है. मामले की जांच जारी है।

'क्की वोटर लिस्ट 'सेकुलर'...कलयुग के कालनेमि कौन हैं?' अखिलेश बोले- क्या नोएडा के पुलिस अधिकारी या D M को हटा सकती है सरकार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर निशाना साधा है. उन्होंने एसआईआर, शंकराचार्य और नोएडा के युवराज मेहता मामले में सरकार पर हमला बोला है. अखिलेश ने सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि नोएडा प्राधिकरण के सीईओ को हटाने से काम नहीं चलेगा. सरकार को पुलिस के सीनियर अधिकारी और डीएम को हटाना चाहिए था. शनिवार को सपा मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार अधिकारियों के साथ मिलकर लोकतंत्र की जड़ें कमजोर कर रही है. उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यूपी की वोटर लिस्ट इतनी सेकुलर हो गई है कि अब कागजों पर भगवान दास के घर में मोहम्मद अफजल का नाम दर्ज किया जा रहा है. आउटसोर्सिंग और गड़बड़ियों के इसी खेल को आधार बनाकर सपा प्रमुख ने आज चुनाव आयोग और सरकार की मंशा पर बड़े सवाल खड़े कर दिए।

शंकराचार्य मामले पर सीएम योगी को घेरा

सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद मामले पर सीएम योगी को घेरते हुए उन पर निशाना साधा. अखिलेश यादव ने पूछा, कालनेमि को याद करने वाले बताएं कलयुग के कालनेमि कौन हैं? आखिर कलयुग का विलेन कौन हैं उन्हें पहचानना चाहिए. ऐसे लोगों पर कालनेमी काल बनकर आएगा. अखिलेश ने कार्यकर्ताओं से कहा कि 'हमें लगातार लड़ते रहना होगा. तभी बुरे लोगों से जीता जा सकता है।

युवराज मेहता मामले में CM को घेरा

नोएडा के युवराज मेहता मामले में अखिलेश यादव ने कहा कि जो इस घटना के दौरान मौके पर पहुंचे थे उनकी जिम्मेदारी थी. फिर चाहे वे फायर ब्रिगेड और या पुलिस वाले रहे हों. उन्होंने कहा कि पुलिस की डायल 100 का काम 5 मिनट में पहुंचना था. उन्होंने आरोप लगाया कि डायल 100 को मुख्यमंत्री योगी ने बर्बाद कर दिया. सीएम की लापरवाही की वजह से ये प्रक्रिया भ्रष्टाचार का शिकार बन गई है. उस युवक की जान सीएम और सरकार की वजह से गई है।

क्या CM नोएडा के पुलिस अधिकारी या डीएम को हटा सकते हैं?

अखिलेश यादव ने आगे कहा कि नोएडा प्राधिकरण के सीईओ को इस मामले में हटाया गया है. जबकि सरकार को पुलिस को हटाना चाहिए था, लेकिन ऐसा कैसे कर सकते हैं. क्या वे नोएडा के किसी सिनियर पुलिस अधिकारी या डीएम को हटा सकते हैं. सरकार ऐसा नहीं कर सकती है. इसकी पीछे बड़ी वजह है. दरअसल अगर डीएम को हटा दिया जाएगा तो वोटर लिस्ट में दिक्कतें आएंगी, बस उसी वजह से डीएम को नहीं हटाया गया।

एसआईआरः सुप्रीम कोर्ट का अवैध प्रवासियों पर चुनाव आयोग से सवाल, नागरिकता जांच पर आयोग ने दी सफाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार (22 जनवरी) को भारतीय चुनाव आयोग से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अधिसूचना में अवैध अप्रवासन (अवैध प्रवासियों की पहचान) को उद्देश्य के रूप में स्पष्ट तौर पर उल्लेख न किए जाने को लेकर सवाल उठाया. अदालत ने कहा कि आदेश में साफ तौर पर यह नहीं बताया गया था कि नागरिकता का सत्यापन करना इस अभियान का एक मकसद है. उल्लेखनीय है कि भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने नौ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों की मसौदा मतदाता सूचियों से 65 लाख नाम हटाए जाने के बाद आयोग के सामने यह सवाल रखा. मालूम हो कि उत्तर प्रदेश में एसआईआर के दूसरे चरण के दौरान 32 लाख मतदाताओं को नागरिकता प्रमाण पत्र जारी करने के लिए नोटिस भेजे गए हैं. जस्टिस बागची ने टिप्पणी की कि आयोग ने एसआईआर के लिए कारण के रूप में केवल 'बार-बार प्रवास' को सूचीबद्ध किया है, न कि अवैध सीमा पार आवागमन को. उन्होंने कहा कि अंतर-राज्यीय प्रवास एक वैध मौलिक स्वतंत्रता है, जबकि 'अवैधता' का पहलू केवल आप्रवासन पर लागू होता है. न्यायालय ने पूछा कि क्या चुनाव आयोग अब अवैध आप्रवासन का मुद्दा उठाकर एसआईआर अधिसूचना पर पुनर्विचार कर रहा है।

आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने दलील दी कि 'प्रवासन' शब्द में अंतर-राज्यीय और सीमा पार आवागमन दोनों शामिल हैं. द्विवेदी ने तर्क दिया कि 2025 का एसआईआर नागरिकता अधिनियम में 2003 के संशोधनों को लागू करने का उपयुक्त समय था, जिसके अनुसार मतदाता के दोनों माता-पिता का भारतीय नागरिक होना अनिवार्य है. उन्होंने कहा कि यह संशोधन संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत अधिकृत है. बुधवार को अदालत ने टिप्पणी की कि यद्यपि चुनाव आयोग के पास व्यापक विवेकाधिकार है, फिर भी उसकी शक्ति 'असीमित' नहीं है. जस्टिस बागची ने मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के नियम 25 का हवाला दिया, जिसमें निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार गहन पुनरीक्षण अनिवार्य है. अदालत ने सवाल उठाया कि चुनाव आयोग ने आवश्यक दस्तावेजों की संख्या छह से बढ़ाकर 11 क्यों कर दी और शुरुआत में आधार कार्ड को क्यों शामिल नहीं किया. पश्चिम बंगाल से संबंधित एक हलफनामे में चुनाव आयोग ने 'तार्किक

विसंगतियों' की सूचना दी, जिन्हें उसने 'तर्क के विपरीत' बताया. चुनाव निकाय को 4,59,054 ऐसे मामले मिले जहां मतदाताओं को पांच से अधिक बच्चों से जोड़ा गया था. इनमें उन व्यक्तियों के मामले भी शामिल थे जिनके कथित तौर पर 200 से अधिक बच्चे थे और माता-पिता और बच्चों के बीच 50 वर्ष का आयु अंतर था।

द्विवेदी ने कहा कि ऐसे मामलों की गहन जांच की आवश्यकता है. चुनाव आयोग ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद डोला सेन समेत याचिकाकर्ताओं के उन आरोपों को खारिज कर दिया कि यह प्रक्रिया अल्पसंख्यकों को निशाना बनाकर की गई थी. आयोग ने स्पष्ट किया कि पश्चिम बंगाल में 58 लाख मतदाताओं को सूची से बाहर करने का कारण मृत्यु, स्थायी रूप से स्थानांतरण या नाम दोहराव था, न कि सॉफ्टवेयर आधारित विलोपन. इससे पहले अदालत ने पश्चिम बंगाल में जनता को हो रही 'तनाव और परेशानी' पर चिंता व्यक्त की, जहां 1.36 करोड़ लोगों - लगभग 20% आबादी - को नोटिस प्राप्त हुए. जस्टिस बागची ने बाल विवाह की व्यापकता का हवाला देते हुए माता-पिता और बच्चे के बीच 15 वर्ष के आयु अंतर जैसे 'तार्किक विसंगति' मानदंडों पर सवाल उठाया।

याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और श्याम दीवान ने कहा कि चुनाव आयोग के पास इस प्रकार की प्रोफाइलिंग के लिए वैधानिक स्वीकृति का अभाव था. सिब्बल ने तर्क दिया कि 1.36 करोड़ सुनवाइयों के लिए केवल 500 स्थान उपलब्ध थे, जिससे अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन से पहले व्यवस्थागत बाधा उत्पन्न हो रही थी. जनता की असुविधा को कम करने के लिए न्यायालय ने आदेश दिया कि अनियमितताओं के लिए चिह्नित व्यक्तियों की सूचियां ग्राम पंचायत भवनों और वार्ड कार्यालयों में प्रदर्शित की जाएं. अदालत ने आपत्तियां दर्ज करने की समय सीमा 10 दिन बढ़ा दी और चुनाव आयोग को स्कूल बोर्ड के प्रवेश पत्र जैसे वैधानिक दस्तावेजों को प्रमाण के रूप में स्वीकार करने का निर्देश दिया. पीठ ने यह भी आदेश दिया कि पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सत्यापन के दौरान आवेदकों की सहायता के लिए बूथ स्तर के एजेंट्स को अनुमति दी जाए।

'स्नान की व्यवस्था तक नहीं कर पाए...अब संतों का अपमान भी कर रही है सरकार- शंकराचार्य विवाद पर शिवपाल यादव का तीखा हमला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

इटावा- समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने शंकराचार्य और सरकार के बीच चल रहे विवाद को लेकर योगी सरकार पर तीखा हमला बोला है। जसवंतनगर के हिंदू विद्यालय में आयोजित वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में पहुंचे शिवपाल यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी किसी का सम्मान करना नहीं जानती। ऐसे धार्मिक आयोजनों में संतों की बड़ी भूमिका होती है, लेकिन दुखद बात यह है कि संतों को ही स्नान नहीं करने दिया गया।

खुलेआम शंकराचार्य का अपमान कर रही सरकार

शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि देश में चार शंकराचार्य हैं और उनमें से एक का खुलेआम अपमान किया गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि सरकार शंकराचार्य के स्नान तक की व्यवस्था नहीं कर पाई, जो

उसकी संवेदनहीनता और नाकामी को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि कुंभ हो या मेला, भाजपा सिर्फ झूठी गिनती गिनाने का काम करती है। सभी जानते हैं कि कुंभ में कितने लोगों की मौत हुई, लेकिन सरकार सच्चाई छिपाकर केवल प्रचार में दिन-रात लगी रहती है।

समय पर चुनाव नहीं हुए तो यह लोकतंत्र का अपमान होगा

ओम प्रकाश राजभर को 'चोर' कहे जाने के मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवपाल यादव ने कहा कि इसमें कोई भी कम नहीं है। जिसने कहा, उस पर भी वही बात लागू होती है। सब एक जैसे हैं और जनता सब कुछ देख और समझ रही है। पंचायत चुनाव को लेकर शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि चुनाव समय से कराना लोकतंत्र की बुनियादी जिम्मेदारी है। अगर समय पर चुनाव नहीं हुए तो यह लोकतंत्र का अपमान होगा। उन्होंने कहा कि जनता पहले से ही परेशान है और सरकार जानबूझकर चुनाव टालकर लोगों की आवाज दबाना चाहती है।

शिवपाल यादव ने सरकार के कामकाज पर सवाल उठाते हुए कहा कि पिछले दस सालों में इस सरकार ने कोई ठोस काम नहीं किया है। कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं बची है और हर तरफ भ्रष्टाचार का बोलबाला है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है और आने वाले समय में इसका जवाब जरूर देगी।

450 पेज की रिपोर्ट...125 लोगों के बयान, नोएडा प्राधिकरण पहुंची SIT ने किन सवालों के तलाशे जवाब?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नोएडा सेक्टर 150 में इंजीनियर युवराज मेहता की दर्दनाक मौत के मामले में जांच कर रही एसआईटी की टीम आज फिर से नोएडा प्राधिकरण के कार्यालय पहुंची. नोएडा प्राधिकरण, पुलिस और जिला प्रशासन इन तीनों ने अलग-अलग अपनी विस्तृत रिपोर्ट एसआईटी को सौंप दी है. यह रिपोर्ट करीब 450 पेज की बताई जा रही है. एसआईटी के प्रमुख एडीजी मेरठ भानु भास्कर के नेतृत्व में टीम ने आज फिर से एक बार नोएडा प्राधिकरण पहुंचकर इन रिपोर्ट की गहन समीक्षा शुरू कर दी है. इस मामले में अब तक 150 अधिकारियों, कर्मचारियों, नोएडा प्राधिकरण, पुलिस जिला प्रशासन, फायर विभाग, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ सिविल विभाग और अन्य संबंधित जांच एजेंसी के बयान दर्ज हो चुके हैं।

रिपोर्ट तैयार करने के बाद आज शाम तक या कल तक एसआईटी की टीम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को रिपोर्ट पेश करेगी. जिसमें यह तय हो पाएगा कि आखिर 2 घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन में सॉफ्टवेयर इंजीनियर की जान बचाने में चूक कहा हुई और सुरक्षा संसाधनों में किस-किस की लापरवाही सामने आई।

डिलीवरी बॉय के बयान दर्ज

युवराज मेहता की मौत मामले में जांच कर रही एसआईटी टीम ने घटना के चश्मदीद मुनेंद्र को भी बयान दर्ज करने के लिए नोएडा बुलाया है. मुनेंद्र करीब 2 बजे के आसपास एसआईटी के सामने पेश हुआ है. जांच टीम को उम्मीद है कि उसकी गवाही से हादसे के समय की परिस्थितियों और घटनाक्रम के बारे में गहनता से जानकारी मिल पाएगी. इंजीनियर की मौत के बाद नोएडा प्राधिकरण ने सेक्टर 150 में सड़क सुरक्षा को लेकर तैयारी शुरू कर दी. अधिकारियों ने इस बात को भी कैद किया है कि आखिर आपसे पहले सड़क और वहां के सिस्टम को दुरुस्त करने में क्यों लापरवाही की गई. हालांकि, एसआईटी टीम के पहुंचने के बाद प्राधिकरण ने अगले दिन ही वहां सड़कों पर साइन बोर्ड मार्किंग करवा दी थी।

एसआईटी कर रही जांच

एक युवा इंजीनियर की मौत के बाद सबसे बड़ा सवाल यह है की सुरक्षा इंतजामों में कमी, सूचना में देरी और बचाव कार्य की छूट के लिए आखिर जिम्मेदार कौन है? इस मामले में अभी कई गिरफ्तारियां होनी बाकी है. एसआईटी ने पुलिस से भी पूछा है कि आखिर इन दोषियों की गिरफ्तारी में क्यों वक्त लग रहा है? फिलहाल एसआईटी की टीम नोएडा प्राधिकरण कार्यालय में मौजूद है और तमाम टीमों से घटना की जानकारियां अभी जुटा रही है. खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एडीजी भानु भास्कर से फोन पर जानकारी ली है।

शोक सभा का आयोजन

वहीं आज सेक्टर 150 में स्थित यूरेका सोसायटी में मृतक के परिवार वालों ने एक शोक सभा का आयोजन किया है. करीब 4 बजे के आसपास सोसाइटी में बने क्लब में मृतक की आत्मा को शांति देने के लिए एक शोक सभा का आयोजन किया है. जिसमें समिति के गेट के बाहर तमाम मीडिया कर्मियों का जमावड़ा लगा हुआ है. वहीं एतिहात के तौर पर पुलिस बल भी तैनात कर दिया गया है।

एक खिलाड़ी से राष्ट्र तक: मुस्तफिजुर प्रकरण और टूटा विश्वास

क्रिकेट पर सियासत की जीत: हार किसकी हुई?

यदि हर असहमति का उत्तर बहिष्कार हो, तो बचेगा क्या क्रिकेट में?

क्रिकेट का मैदान केवल खेल का स्थल नहीं होता, वह राष्ट्रों की भावनाओं, आकांक्षाओं और आपसी विश्वास का प्रतिबिंब भी होता है। जब इसी मैदान से किसी देश की अनुपस्थिति की घोषणा होती है, तो वह केवल खिलाड़ियों की कमी नहीं दर्शाती, बल्कि विचारों और संबंधों के टूटने का संकेत भी देती है। भारत में होने वाले टी20 विश्व कप से बांग्लादेश का बहिष्कार इसी टूटन की घोषणा है। यह फैसला खेल भावना से अधिक राजनीति की भाषा बोलता है। जिस विश्व कप को वैश्विक एकता, प्रतिस्पर्धा और उत्सव का प्रतीक होना चाहिए था, वह अब संदेह, टकराव और कूटनीति का अखाड़ा बनता जा रहा है। यह घटना बताती है कि आधुनिक क्रिकेट अब केवल बल्ले और गेंद का खेल नहीं रहा, बल्कि सत्ता और अस्मिता का माध्यम बन चुका है। इस पूरे प्रकरण की शुरुआत एक खिलाड़ी से हुई, लेकिन उसका विस्तार पूरे राष्ट्र तक पहुंच गया। मुस्तफिजुर रहमान का आईपीएल से बाहर होना एक पेशेवर निर्णय था, जैसा हर लीग में होता है, किंतु बांग्लादेश ने इसे सम्मान और सुरक्षा से जोड़कर देखा। यहीं से खेल निर्णय राजनीतिक मुद्दा बन गया। बीसीबी द्वारा मैच भारत से हटाकर श्रीलंका में कराने की मांग, आईसीसी का इनकार और फिर सीधा बहिष्कार, यह सब इस बात का प्रमाण है कि फैसले खेल तर्क से नहीं, बल्कि राजनीतिक दबाव में लिए गए। खेल सलाहकार और सरकारी नेतृत्व के तीखे बयान यह स्पष्ट करते हैं कि यह निर्णय क्रिकेट बोर्ड का नहीं, बल्कि सत्ता संरचना का था। परिणामस्वरूप संवाद की संभावना समाप्त हो गई और टकराव ने जगह ले ली।

भारत और बांग्लादेश के क्रिकेट संबंध ऐतिहासिक रूप से जटिल लेकिन सौहार्दपूर्ण रहे हैं। दोनों देशों ने संघर्ष और सहयोग, दोनों के उदाहरण पेश किए हैं। उनके बीच खेले गए मुकाबले केवल अंक तालिका की लड़ाई नहीं थे, बल्कि साझा इतिहास और क्षेत्रीय पहचान की अभिव्यक्ति भी थे। लेकिन हालिया राजनीतिक घटनाओं ने इस संतुलन को तोड़ दिया है। बांग्लादेश के भीतर भारत विरोधी भावनाएं तेज हुई हैं और क्रिकेट उनका सबसे प्रभावी मंच बन गया है। मुस्तफिजुर प्रकरण को राष्ट्रीय अपमान के रूप में प्रस्तुत कर सरकार ने जनभावनाओं को संगठित किया। ऐसे वातावरण में पीछे हटना राजनीतिक कमजोरी माना जाता है। यही कारण है कि क्रिकेट अब खेल कम और भावनात्मक राजनीति का औजार अधिक बनता जा रहा है। इस बहिष्कार का सबसे गहरा और प्रत्यक्ष प्रभाव स्वयं बांग्लादेश क्रिकेट पर पड़ेगा। आर्थिक नुकसान केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं होता, वह पूरी खेल संरचना को प्रभावित करता है। आईसीसी से मिलने वाली राजस्व हिस्सेदारी, प्रायोजक अनुबंध, मैच फीस और पुरस्कार राशि का नुकसान बोर्ड को वर्षों पीछे धकेल सकता है। खिलाड़ियों के लिए विश्व कप केवल एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय पहचान और करियर निर्माण का मंच होता है। वहां से बाहर होना उनके भविष्य की दिशा बदल सकता है। अनुभवी खिलाड़ियों के साथ-साथ युवा प्रतिभाओं के सपने भी अधर में लटक गए हैं। सुरक्षा के नाम पर लिया गया यह फैसला अंततः खिलाड़ियों से सबसे बड़ी कीमत वसूल करता दिखाई देता है।

भारत के लिए यह स्थिति पहली नजर में सहज प्रतीत हो सकती है, लेकिन इसके दूरगामी परिणाम कहीं अधिक गंभीर हैं। कमजोर प्रतिद्वंद्वी की अनुपस्थिति से प्रतियोगिता की गुणवत्ता प्रभावित होगी। अंतरराष्ट्रीय मंच पर आईसीसी और मेजबान देश की निष्पक्षता पर सवाल उठेंगे। यदि अन्य देश भी इसी मार्ग पर चलते हैं, तो विश्व कप की विश्वसनीयता कमजोर हो जाएगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का समर्थन इस बात का संकेत है कि यह संकट सीमित नहीं रहेगा। दर्शक क्रिकेट को रोमांच और प्रतिस्पर्धा के लिए देखते हैं, राजनीतिक रणनीति के लिए नहीं। यदि यह संतुलन टूटा, तो दर्शकों का विश्वास भी धीरे-धीरे कम होता जाएगा। क्रिकेट और राजनीति का संबंध नया नहीं है, लेकिन उसका यह खुला और आक्रामक स्वरूप अत्यंत चिंताजनक है। जब सरकारें खेल निर्णयों में हस्तक्षेप करने लगती हैं, तब खिलाड़ी केवल प्रतीक बनकर रह जाते हैं। खेल संघों की स्वायत्तता कमजोर होती है और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं दबाव में आ जाती हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच पहले हुए बहिष्कारों ने चेतावनी दी थी, लेकिन उनसे कोई ठोस सबक नहीं लिया गया। यदि हर राजनीतिक असहमति का उत्तर बहिष्कार होगा, तो विश्व कप का वैश्विक स्वरूप समाप्त हो जाएगा। आईसीसी को अब केवल तटस्थ रहने के बजाय स्पष्ट और कठोर नीति बनानी होगी।

यह बहिष्कार किसी एक टूर्नामेंट तक सीमित घटना नहीं है, बल्कि वह मोड़ है जो क्रिकेट के भविष्य की दिशा तय कर सकता है। वर्षों की साझी मेहनत से बनी एशियाई क्रिकेट की एकता आज स्पष्ट रूप से दरकती दिखाई दे रही है। यदि राजनीति लगातार खेल पर हावी होती रही, तो आने वाली पीढ़ियों को एक ऐसा क्रिकेट विरासत में मिलेगा जो विभाजित होगा, अधूरा होगा और अपने मूल उद्देश्य से भटका हुआ होगा। खेल का जन्म राष्ट्रों को जोड़ने के लिए हुआ था, न कि उनके बीच की खाइयों को और गहरा करने के लिए। क्रिकेट की आत्मा प्रतिस्पर्धा में बसती है, विरोध और वैमनस्य में नहीं। जब सीमाएं खेल के मैदान में दीवार बन जाएं, तब आत्ममंथन केवल आवश्यक नहीं, बल्कि अनिवार्य हो जाता है। फिर भी, संकट के इस दौर में आशा पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। संवाद, पारदर्शिता और आपसी सम्मान ही इस टकराव से बाहर निकलने का एकमात्र रास्ता हैं। बीसीबी, बीसीसीआई और आईसीसी को राजनीतिक दबावों से ऊपर उठकर खेल के व्यापक हित में निर्णय लेने होंगे। क्रिकेट को शक्ति प्रदर्शन का माध्यम नहीं, बल्कि विश्वास और संवाद का सेतु बने रहना चाहिए। यदि आज खेल को राजनीति की गिरफ्त से मुक्त नहीं किया गया, तो भविष्य में केवल विवादों की श्रृंखला बचेगी, उपलब्धियों की नहीं। मैदान पर संघर्ष बल्ले और गेंद से तय होना चाहिए, विचारधाराओं और सत्ता समीकरणों से नहीं। क्रिकेट की एकता की रक्षा करना अनिवार्य है, क्योंकि यही इस खेल की सबसे बड़ी पहचान भी है और उसकी सबसे बड़ी विजय भी।

प्रो. आरके जैन

संविधान और लोकतंत्र: खतरा या भ्रम?

हाल के वर्षों में भारतीय राजनीति और सार्वजनिक विमर्श में एक वाक्य बार-बार दोहराया जा रहा है 'संविधान और लोकतंत्र खतरे में हैं'। विपक्षी दलों द्वारा इसे सरकार पर प्रहार का सबसे प्रभावी औज़ार बनाया गया है। किंतु लोकतंत्र में किसी भी आरोप का मूल्यांकन उसकी आवृत्ति से नहीं, बल्कि तथ्यों और संवैधानिक यथार्थ से किया जाता है। इसलिए यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यह खतरा वास्तविक है या केवल एक राजनीतिक भ्रम? यह सत्य है कि भारतीय संविधान विश्व के सबसे विस्तृत, सुदृढ़ और संतुलित संविधानों में से एक माना जाता है। यह केवल शासन चलाने का दस्तावेज़ नहीं, बल्कि एक जीवंत प्रणाली है, जो विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच संतुलन स्थापित करती है। पिछले 75 वर्षों में भारत ने युद्ध, आंतरिक अशांति, आर्थिक संकट, आतंकवाद, सामाजिक आंदोलनों, सत्ता परिवर्तन और यहाँ तक कि आपातकाल जैसे कठिन दौर भी देखे हैं। इसके बावजूद संविधान की मूल आत्मा और लोकतांत्रिक ढाँचा सुरक्षित बना रहा। यह तथ्य स्वयं इस कथन को कमजोर करता है कि भारतीय लोकतंत्र किसी गंभीर संकट में है।

यदि वास्तव में संविधान और लोकतंत्र खतरे में होते, तो उसके स्पष्ट संकेत दिखाई देते, जैसे समय पर चुनाव कराने से बचा जाता,स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव बाधित होते, सत्ता हस्तांतरण शांति पूर्ण न होता,न्यायपालिका सरकार के विरुद्ध निर्णय देने में असमर्थ होती, संसद में विपक्ष को अपनी बात रखने नहीं दी जाती, विपक्ष को संसद और संसद के बाहर सरकार की आलोचना करने, रैली निकालने, धरना प्रदर्शन से रोका जाता, मीडिया पर पूर्ण नियंत्रण होता, टीवी चैनलों में बहस करते समय सरकार और संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों की आलोचना करना आसान न होता और नागरिकों की अभिव्यक्ति व आंदोलन की स्वतंत्रता सीमित हो जाती। किंतु भारत का वर्तमान यथार्थ इससे भिन्न है। यहाँ चुनाव नियमित रूप से हो रहे हैं, न्यायपालिका सक्रिय रूप से संवैधानिक समीक्षा कर रही है, मीडिया सरकार की समय-समय खुली आलोचना करता है और नागरिक और राजनीतिक दल अपनी असहमति सड़कों से लेकर न्यायालय तक व्यक्त कर रहे हैं। ये सभी तथ्य लोकतंत्र की सक्रियता को प्रमाणित करते हैं।

यह भी सत्य है कि लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष के बीच टकराव स्वाभाविक है। विपक्ष का दायित्व है कि वह सरकार से प्रश्न पूछे, नीतियों की आलोचना करे और नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए सजग रहे। किंतु जब हर निर्णय और हर प्रशासनिक कदम को बिना ठोस संवैधानिक आधार के 'लोकतंत्र पर हमला' कह दिया जाता है, तब यह स्वस्थ आलोचना नहीं, बल्कि राजनीतिक अतिशयोक्ति बन जाती है। वास्तविक खतरा लोकतंत्र को तब उत्पन्न होता है, जब संवैधानिक संस्थाओं जैसे संसद, न्यायपालिका, चुनाव आयोग और मीडिया पर जनता का विश्वास जानबूझकर कमजोर किया जाए। निरंतर संकट का नैरेटिव नागरिकों में भय और अविश्वास पैदा करता है। लोकतंत्र भय या भ्रम से नहीं, बल्कि संविधान सम्मत आचरण, संवाद, असहमति और उत्तरदायित्व से चलता है।

भारत जैसे विविधताओं से भरे देश में लोकतंत्र का टिके रहना उसकी आंतरिक शक्ति का प्रमाण है। आपातकाल जैसे अनुभव के बाद भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का पुनर्स्थापन यह दर्शाता है कि भारतीय लोकतंत्र आत्म-सुधार की क्षमता रखता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि नागरिक चुनौती और संकट के अंतर को समझें। चुनौती लोकतंत्र को परिपक्व बनाती है, जबकि कृत्रिम संकट का प्रचार उसे कमजोर दिखाने का प्रयास करता है।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि 'संविधान और लोकतंत्र खतरे में हैं' कथन तथ्यों से अधिक राजनीतिक आरोपों और भ्रम पर आधारित प्रतीत होता है। सच तो यह है कि भारत का लोकतंत्र किसी विध्वंसक संकट में नहीं, बल्कि परिवर्तनशील दौर से गुजर रहा है। इसकी वास्तविक सुरक्षा नागरिक विवेक, जिम्मेदार विपक्ष और संविधान के प्रति निष्ठा में निहित है।

प्रो.(डा.) मनमोहन प्रकाश

आशा और चुनौती के बीच भारत का बजट तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ते कदमों की कसौटी

फरवरी की पहली तारीख को पेश होने वाला आम बजट केवल आय-व्यय का लेखा-जोखा नहीं होगा, बल्कि यह उस दिशा का संकेत देगा, जिस ओर भारत अगले दशक में बढ़ना चाहता है। दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के बाद अब भारत की नजर तीसरे स्थान पर है और इसी लक्ष्य की नींव रखने वाला यह बजट माना जा रहा है। वैश्विक अनिश्चितताओं, बदलती भू-राजनीति, संरक्षणवाद के बढ़ते रुझान और अमेरिकी टैरिफ नीति जैसी चुनौतियों के बीच भारत को संतुलन साधते हुए आगे बढ़ना है। ऐसे समय में बजट से उम्मीदें भी बहुत हैं और आशंकाएं भी। पिछले दस बारह वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था ने जिस तेजी से आकार बढ़ाया है, उसने दुनिया का ध्यान खींचा है। लगभग 4.18 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ भारत आज चौथे पायदान पर है और 2030 तक जर्मनी को पीछे छोड़कर तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए आने वाले तीन बजट बेहद अहम माने जा रहे हैं और मौजूदा बजट उसी श्रृंखला की पहली मजबूत कड़ी बन सकता है। सरकार की मंशा स्पष्ट है कि विकास की गति को बनाए रखते हुए आत्मनिर्भर भारत, निर्यात वृद्धि और निवेश को बढ़ावा दिया जाए, लेकिन सबसे बड़ी चुनौती है बढ़ता सार्वजनिक कर्ज। देश पर कर्ज का बोझ अब एक ऐसे स्तर पर पहुंच चुका है, जहां उसे नजरअंदाज करना संभव नहीं रहा। पिछले एक दशक में कुल कर्ज 53 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर करीब 185 लाख करोड़ रुपये को पार कर चुका है और अनुमान है कि मार्च 2025 तक यह 196 से 200 लाख करोड़ रुपये के बीच पहुंच सकता है। इससे भी ज्यादा चिंताजनक तथ्य यह है कि हर साल लगभग 12 लाख करोड़ रुपये केवल ब्याज चुकाने में खर्च हो रहे हैं। यानी सरकार की कमाई का एक बड़ा हिस्सा विकास कार्यों की बजाय पुराने कर्ज की भरपाई में चला जाता है। यह स्थिति लंबे समय में विकास की रफ्तार पर ब्रेक लगा सकती है। हालांकि, यह भी सच है कि कर्ज अपने आप में बुरा नहीं होता, अगर उसका इस्तेमाल उत्पादक क्षेत्रों में किया जाए। समस्या तब खड़ी होती है, जब कर्ज का बोझ इतना बढ़ जाए कि वह नीतिगत फैसलों की स्वतंत्रता को सीमित करने लगे। भारत आज विश्व बैंक से कर्ज लेने वाले देशों में अग्रणी है और दुनिया के बड़े कर्जदार देशों में सातवें स्थान पर है। भले ही अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और इटली जैसे देश भारत से कहीं अधिक कर्जदार हों, लेकिन भारत जैसे विकासशील देश के लिए कर्ज का संतुलन बनाए रखना कहीं ज्यादा जरूरी हो जाता है। ऐसे में इस बजट से उम्मीद की जा रही है कि सरकार कर्ज नियंत्रण की स्पष्ट रणनीति सामने रखेगी।

बजट का आकार भी अपने आप में एक बड़ा संकेत है। पिछले बारह साल में केंद्र सरकार का बजट 15 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 50 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुका है। इस साल इसमें करीब 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 54 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। यह बढ़ोतरी बताती है कि सरकार विकास के लिए खर्च करने को तैयार है, लेकिन सवाल यह भी है कि क्या यह खर्च टिकाऊ वित्तीय ढांचे के साथ किया जाएगा। इंफ्रास्ट्रक्चर, आईटी, निर्माण, रक्षा उत्पादन और कृषि जैसे क्षेत्रों पर सरकार का फोकस पहले से रहा है और आगे भी इन क्षेत्रों में निवेश बढ़ने की संभावना है। चुनौती यह है कि इन निवेशों से वास्तविक रोजगार और उत्पादन कैसे बढ़ाया जाए। वैश्विक परिदृश्य भी इस बजट को खास बनाता है। अमेरिका और अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में संरक्षणवादी नीतियों का असर अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर पड़ रहा है। टैरिफ को कूटनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की प्रवृत्ति ने निर्यात-आयात के समीकरणों को जटिल बना दिया है। भारत के लिए यह खतरा भी है और अवसर भी। अगर सही नीतियां अपनाई जाएं, तो भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अपनी भूमिका मजबूत कर सकता है। इसके लिए बजट में निर्यात प्रोत्साहन, एमएसएमई को सस्ता कर्ज और तकनीकी उन्नयन जैसे कदम अहम हो सकते हैं। रक्षा क्षेत्र भी इस बजट का एक महत्वपूर्ण पहलू रहेगा। बदलते वैश्विक हालात और क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए रक्षा बजट में बढ़ोतरी की मांग लंबे समय से हो रही है। आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करता है, बल्कि रोजगार और तकनीकी विकास को भी बढ़ावा देता है। सरकार पहले ही इस दिशा में कई कदम उठा चुकी है, लेकिन बजट के जरिए इस रफ्तार को और तेज किया जा सकता है।

आम आदमी की नजर से देखें तो बजट की सबसे बड़ी कसौटी राहत की उम्मीदों पर टिकी है। आयकर दाताओं को टैक्स स्लैब में बदलाव या छूट की आस है, वहीं महंगाई से जूझ रहे मध्यम और गरीब वर्ग को रोजमर्रा की चीजों में राहत चाहिए। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में तेज उछाल ने ज्वेलरी उद्योग को संकट में डाल दिया है। सट्टेबाजी का बाजार गरम है और इसका असर आम उपभोक्ता पर भी पड़ रहा है। ऐसे में सरकार के सामने चुनौती है कि वह बाजार में स्थिरता लाने के उपाय करे। कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी इस बजट का अहम हिस्सा होंगी। देश की बड़ी आबादी आज भी कृषि पर निर्भर है और ग्रामीण मांग मजबूत हुए बिना समग्र विकास संभव नहीं है। किसानों की आय बढ़ाने, सिंचाई, भंडारण और मार्केटिंग व्यवस्था को सुधारने के लिए बजट में ठोस प्रावधान जरूरी हैं। इसके साथ ही शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे सामाजिक क्षेत्रों में निवेश बढ़ाना भी दीर्घकालीन विकास के लिए अनिवार्य है। यह बजट ऐसे समय में आ रहा है, जब भारत आशा और निराशा के एक बड़े मोड़ पर खड़ा है। चौथी अर्थव्यवस्था बनने की दौड़ पूरी हो चुकी है, लेकिन तीसरी अर्थव्यवस्था बनने का रास्ता अभी चुनौतीपूर्ण है। कर्ज, वैश्विक अनिश्चितताएं और घरेलू मांग की मजबूती इन सबके बीच संतुलन साधना आसान नहीं होगा। फिर भी, अगर बजट विकास, वित्तीय अनुशासन और सामाजिक न्याय के बीच सही तालमेल बैठा पाता है, तो यह आने वाले वर्षों के लिए मजबूत आधार बन सकता है। अंततः, एक अच्छा बजट वही होता है जो केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि आम लोगों के जीवन में बदलाव लेकर आए। यह बजट भारत की आर्थिक यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हो सकता है, जहां उम्मीदें भी हैं और चुनौतियां भी। देश की निगाहें टिकी हैं कि सरकार इस मौके को किस तरह अवसर में बदलती है और क्या वाकई यह बजट भारत को तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर मजबूती से आगे बढ़ा पाता है।

कांतिलाल मांडोत

संपादकीय

विपरीत परिस्थितियों में भी भारत की नीतियों का कमाल

भारत समर्थ आर्थिक तथा सामरिक शक्ति बनने की ओर अग्रसर

निश्चित रूप से यह चमत्कार से कम नहीं है कि वर्ष 2014 के पहले मनमोहन सिंह की कांग्रेस की सरकार के समय भारत विश्व में 11वीं आर्थिक शक्ति में गिना जाता था। 2014 में भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनते ही सबसे पहले आर्थिक मजबूती की नीतियों पर ध्यान देते हुए भारत की अंदरूनी अर्थशास्त्र मरम्मत करते हुए आज 2025 में विश्व की जापान जैसी चौथी आर्थिक शक्ति को पीछे छोड़ते हुए वैश्विक स्तर पर चौथी महाशक्ति बन गया है। सकल जीडीपी में भारत ने उत्साह जनक वृद्धि करते हुए आश्चर्यजनक रूप से चौथी अर्थव्यवस्था बनने का कम समय में रिकॉर्ड बनाया है और अब तीसरी महाशक्ति बनने की ओर तेजी से अग्रसर हैद्य यह भी सर्व विदित है कि भारत अपनी आर्थिक मजबूती के पायदान पर खड़ा होकर एक बड़ी सामरिक शक्ति भी बन गया है. यह ऐसे समय में भारत ने किया है जब भारत के समक्ष विपरीत परिस्थितियों पहाड़ बनकर खड़ी हुई है ऑपरेशन सिंदूर में सामरिक तौर पर पाकिस्तान को परास्त करते हुए अमेरिका चीन पाकिस्तान तुर्की जैसे देशों का मुकाबला डटकर किया है। भारत ऑपरेशन सिंधु चलते हुए पाकिस्तान के 9 हवाई बेस अड्डों को नष्ट किया है के अलावा 100 आतंकवादियों को मार भी गिराया है ट्रंप ने इस मामले में दबाव डालने का भरपूर प्रयास किया था भारत के कड़े रुख के कारण अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपने बयान से यू टर्न लेना पड़ा और भारत और पाकिस्तान के बीच से अपना हाथ खींच लिया है। अब भारत में कूटनीतिक तौर पर अपने 60 से अधिक सांसदों को विदेश विभिन्न देशों में अपने सांसदों का दल भेज कर भारत का रुख साफ करने एवं पाकिस्तान की काली करतूत के तहत विभिन्न आतंकवादी गतिविधियों को संचालित करने का पर्दाफास भी किया है। भारत ना सिर्फ चौथी आर्थिक शक्ति बना है बल्कि सामरिक तौर पर अपनी फौज के दम पर पाकिस्तान जैसे आतंकवादी देश को परास्त करते हुए चौथी आर्थिक महाशक्ति बन गया है। अब वह दिन दूर नहीं जब भारत अपनी वर्तमान की आर्थिक नीतियों पर चलते हुए बहुत शीघ्र जर्मन जैसे शक्तिशाली देश को पीछे छोड़ते हुए तीसरी महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर हो गया है। भारत सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि किसी भी देश की नियत साफ हो तो वह किसी भी दिशा में सकारात्मक रूप से शांति स्थापना की अच्छी मंशा को लेकर वैश्विक स्तर पर अच्छी छवि बनाकर सिरमौर भी बन सकता है। भारत 142 करोड लोगों के श्रम के हाथों और मजबूत आर्थिक नीतियों के चलते 4000 अरब डॉलर वाला कुल सकल उत्पाद की ताकत के बाद वैश्विक स्तर पर चौथी आर्थिक ताकत बनकर उभरा है। भविष्य में भारत को अपने नागरिकों के श्रम के दम पर बहुत शीघ्र जर्मनी जैसे ताकतवर पश्चिमी देश को पीछे छोड़कर तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। वर्तमान में भारत अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 40 पैसे मजबूत हुआ है।

इंटरनेशनल मोनेटरी फंड तथा विश्व बैंक ने भारत की प्रशंसा करते हुए कहा है कि विश्व की दूसरी अर्थव्यवस्थाओं के लगातार प्रदर्शन के बीच भारत की अंदरुनी अर्थव्यवस्था काफी मजबूत हुई है तथा यह मजबूत अर्थव्यवस्था लगातार जारी रहने की संभावना है। ऑपरेशन सिंदूर के पश्चात यह बहुत शुभ खबर है कि पाकिस्तान में हमले के बाद इसराइल फ्रांस ब्रिटेन एवं अन्य यूरोपीय देशों के साथ-साथ खाड़ी के देश भी भारत के सामरिक अस्त्र-शस्त्र खरीदने की होड़ में शामिल हो गए हैं एवं भारत में बने रक्षा उत्पादों को खरीदने की मंशा रखते हैं। भारत को न सिर्फ निर्यात बल्कि देश के लिए उपयोगी आवश्यक वस्तुओं का आयात भी करना होगा तब जाकर हम तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर उन्मुख हो सकते हैं। भारत के प्रधानमंत्री ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब हमें चीन के सामानों का उपयोग ना करके घर में ही उत्पादन बढ़ाकर आर्थिक रूप से चीन को करारा जवाब देकर उसे आर्थिक रूप से परास्त करना है। भारत ने डिजिटल टेक्नोलॉजी को काफी हद तक विस्तृत कर पूरी दुनिया में यह साबित कर दिया है कि डिजिटाइजेशन में भारत बहुत आगे बढ़ गया है और भारत की विशाल जनसंख्या को हमने बोझ बनने ना देकर उसे अपनी शक्ति के तौर पर इस्तेमाल किया है और यही कारण है कि हम अपने निरंतर आर्थिक सुधारो तथा ग्रामीण क्षेत्र में इन्फ्रास्ट्रक्चर में अभूतपूर्व परिवर्तन कर देश को एक नया सकारात्मक आकार दिया है। वैश्विक स्तर पर भारत के चौथी महाशक्ति बनने के साथ-साथ एक स्वर्णिम अध्याय भी शुरू हुआ है। भारत की नीति आयोग की आवश्यक मीटिंग में इस बात को उजागर किया गया है एवं इंटरनेशनल मोनेटरी फंड के उपलब्ध कराये हुए डेटाबेस के आधार पर भारत चौथी आर्थिक महाशक्ति के पद पर काबिज हो गया है उल्लेखनीय है कि भारत के पहले बाहुबली अमेरिका भारत का परंपरागत विरोधी चीन और जर्मनी मौजूद हैं। 2014 के पहले यूपीए सरकार के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के समय भारत विश्व की 11वीं आर्थिक शक्ति बना था इसके पश्चात नरेंद्र मोदी की सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल में भारत को गुलाम रखने वाले देश ब्रिटेन को पीछे छोड़कर पांचवी आर्थिक शक्ति का पद हासिल किया था। भारत में स्वतंत्रता के बाद से आर्थिक सामाजिक वैज्ञानिक तथा स्वास्थ्य सेवाओं में भारी वृद्धि कर एक सकारात्मक विचारों वाली सरकार को आगे बढ़ाया था। भारत में 1947 के बाद धीरे-धीरे वृद्धि की और अपनी आर्थिक तथा सामरिक शक्ति को सदैव शांति के पक्ष में रखकर आक्रमण न करने की नीति को अपनाया था। 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार ने आर्थिक नीतियों पर ज्यादा जोर देते हुए नई-नई नीतियों तथा विदेशी शक्तियों से हाथ मिलाकर आयात निर्यात को बहुत ज्यादा बढ़ावा दिया और अपनी जनसंख्या को ताकत बनते हुए घरेलू सकल उत्पाद पर ज्यादा ध्यान देते हुए 2025 तक तीसरे कार्यकाल में यह स्वर्णिम उपलब्धि प्राप्त की है। गौरतलाप है कि 1947 में भारत के साथ पाकिस्तान भी स्वतंत्र हुआ था किंतु पाकिस्तान अपनी आतंकवादी काली करतूत के कारण भुखमरी का कगार पर खड़ा है एवं उसके अस्तित्व के संकट के बादल सर पर मंडरा रहे हैं वह भीख का कटोरा लेकर दर-दर घूम रहा है परंतु उसे कोई उधार देने को भी तैयार नहीं है। इन परिस्थितियों में जब ट्रंप की नई सरकार ने सभी देशों पर भारी टैरीफ लगाने नीति अपनाई है जिसके परिणाम स्वरूप यूरोपीय देश भी उससे अलग होने की जुगत में लगे हुए हैं। परिस्थितियों को देखते हुए कोई शक नहीं जब भारत बहुत जल्द तीसरी महाशक्ति बनेगा एवं अपनी सामरिक शक्ति के साथ पूरे विश्व का नेतृत्व करने की क्षमता प्राप्त कर सकता है।

संजीव ठाकुर

केरल में परिवर्तन की आहट और विकसित भविष्य का संकल्प

तिरुवनंतपुरम की धरती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हालिया संबोधन सिर्फ एक चुनावी भाषण नहीं था बल्कि वह केरल की राजनीति अर्थव्यवस्था और सामाजिक दिशा को लेकर एक व्यापक दृष्टि का प्रस्तुतीकरण था। लगभग पचपन मिनट की इस स्पीच में प्रधानमंत्री ने केरल के अतीत वर्तमान और भविष्य को एक ही सूत्र में पिरोते हुए यह संदेश देने की कोशिश की कि राज्य अब परिवर्तन के मुहाने पर खड़ा है। उन्होंने जिस आत्मविश्वास और तर्कों के साथ बात रखी उससे यह स्पष्ट था कि भारतीय जनता पार्टी केरल को लेकर अब हाशिये की राजनीति से आगे निकलकर मुख्यधारा की दावेदार बनना चाहती है।

प्रधानमंत्री ने अपने भाषण की शुरुआत केरल की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत से की। भगवान पद्मनाभ स्वामी की पावन भूमि बसंत पंचमी और नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती का उल्लेख करते हुए उन्होंने भावनात्मक जुड़ाव स्थापित किया। यह संकेत था कि केरल की पहचान केवल राजनीति तक सीमित नहीं है बल्कि यह आस्था शिक्षा और पराक्रम की भूमि भी है। इसी भावनात्मक पृष्ठभूमि पर उन्होंने आगे केरल में विकास और बदलाव की बात रखी।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने सबसे पहले केरल की मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि दशकों से लेफ्ट और कांग्रेस ने मिलकर केरल को एक ऐसे सिस्टम में जकड़ दिया है जहां सत्ता बदलती रहती है लेकिन व्यवस्था नहीं बदलती। एलडीएफ और यूडीएफ के झंडे और प्रतीक भले ही अलग हों लेकिन उनकी राजनीति और एजेंडा एक जैसा है। इस कथन के जरिए उन्होंने यह स्थापित करने की कोशिश की कि केरल की जनता के पास अब तक वास्तविक विकल्प नहीं था और भारतीय जनता पार्टी उस विकल्प के रूप में सामने आ रही है।

प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार को केरल के विकास में सबसे बड़ी बाधा बताया। कोऑपरेटिव बैंकों के घोटालों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एलडीएफ शासन में लोगों की सेविंग तक सुरक्षित नहीं रही। गरीब परिवारों ने बच्चों की पढ़ाई बेटियों की शादी और भविष्य की सुरक्षा के लिए जो पैसा जमा किया था वह भ्रष्ट तंत्र की भेंट चढ़ गया। उन्होंने इसे केवल आर्थिक अपराध नहीं बल्कि सामाजिक विश्वासघात बताया और कहा कि ऐसे लोगों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। मोदी ने यह भरोसा भी दिलाया कि यदि भाजपा को मौका मिला तो एक एक पैसे का हिसाब लिया जाएगा और दोषियों को जेल भेजा जाएगा।

प्रधानमंत्री ने केरल के किसानों और गरीब वर्ग की स्थिति पर भी विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी जिसे लेफ्ट का समर्थन हासिल था लेकिन उस दौर में केरल के किसानों के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। किसान कल्याण के नाम पर आने वाला पैसा नेताओं की जेब में चला जाता था। इसके विपरीत प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आज किसान के खाते में सीधा पैसा पहुंचता है और इसमें किसी बिचौलिए या राज्य सरकार की मनमानी की गुंजाइश नहीं है। यह बयान केंद्र की योजनाओं को पारदर्शी और भरोसेमंद बताने की रणनीति का हिस्सा था।

अपने भाषण में प्रधानमंत्री ने शहरी विकास और बुनियादी ढांचे पर केंद्र सरकार के काम को भी रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि पिछले ग्यारह वर्षों में अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर पर बड़े पैमाने पर निवेश किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत करोड़ों गरीबों को पक्के घर मिले हैं जिनमें केरल के भी लाखों परिवार शामिल हैं। जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल पहुंचाने की योजना का जिक्र करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकारें इन योजनाओं को जानबूझकर धीमा कर रही हैं ताकि केंद्र को श्रेय न मिले। इसे उन्होंने गरीब विरोधी मानसिकता करार दिया।

प्रधानमंत्री ने तिरुवनंतपुरम को भविष्य का मॉडल सिटी बनाने का सपना भी सामने रखा। उन्होंने कहा कि जिस तरह गुजरात में कभी भाजपा एक हाशिये की पार्टी थी और 1987 में अहमदाबाद नगर निगम की जीत से बदलाव की नींव पड़ी थी उसी तरह तिरुवनंतपुरम में मिली सफलता केरल में भाजपा के विस्तार की शुरुआत है। यह तुलना केवल राजनीतिक नहीं थी बल्कि यह संदेश था कि विकास की वही कहानी केरल में भी दोहराई जा सकती है। उन्होंने तिरुवनंतपुरम को स्टार्टअप हब बनाने और युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करने की बात कही।

भाषण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा सांस्कृतिक और आस्था से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित था। सबरीमाला मंदिर का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि एलडीएफ सरकार ने मंदिर की पवित्रता और संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है। सोने की चोरी और अव्यवस्था के आरोपों के जरिए उन्होंने यह संदेश देने की कोशिश की कि आस्था के मुद्दों पर भाजपा ज्यादा संवेदनशील है। उन्होंने वादा किया कि भाजपा की सरकार बनने पर इन आरोपों की निष्पक्ष जांच होगी और दोषियों को सजा मिलेगी। इसे उन्होंने मोदी की गारंटी बताया।

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास विकास का कोई स्पष्ट एजेंडा नहीं बचा है और वह आज विचारधारा के स्तर पर भ्रमित हो चुकी है। कांग्रेस को उन्होंने मुस्लिम लीग और माओवादी सोच के करीब बताते हुए इसे केरल के लिए खतरा करार दिया। उनके अनुसार कांग्रेस और लेफ्ट दोनों मिलकर केरल को एक प्रयोगशाला की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं जहां कट्टरपंथ और कुशासन को बढ़ावा मिल रहा है। इस चेतावनी के जरिए उन्होंने मतदाताओं को सतर्क रहने का संदेश दिया।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने युवाओं और रेहड़ी पटरी वालों जैसे छोटे कारोबारियों को भी विशेष रूप से संबोधित किया। पीएम स्वनिधि योजना और स्वनिधि क्रेडिट कार्ड का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार गरीब और छोटे व्यापारियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ठोस कदम उठा रही है। बैंकिंग व्यवस्था से करोड़ों लोगों को जोड़ने और बिना गारंटी के लोन उपलब्ध कराने की बात करते हुए उन्होंने इसे सामाजिक न्याय की दिशा में बड़ा कदम बताया।

भाषण के अंत में प्रधानमंत्री ने केरल के लोगों से भावनात्मक अपील की। उन्होंने कहा कि इक्कीसवीं सदी के पहले पच्चीस साल बीत चुके हैं और अब अगले पच्चीस सालों में केरल को विकसित राज्य बनाना है। इसके लिए नई राजनीति और नई सोच की जरूरत है। उन्होंने दावा किया कि यह काम केवल भाजपा और एनडीए ही कर सकते हैं। केरल की जनता से उन्होंने विश्वास जताने और बदलाव का मौका देने की अपील की।

कुल मिलाकर तिरुवनंतपुरम में दिया गया यह भाषण भाजपा की केरल रणनीति का स्पष्ट खाका पेश करता है। इसमें विकास भ्रष्टाचार आस्था और राजनीतिक विकल्प सभी मुद्दों को एक साथ जोड़ने की कोशिश दिखी। प्रधानमंत्री ने केरल की जनता को यह भरोसा दिलाने का प्रयास किया कि बदलाव संभव है और वह बदलाव विकास के साथ स्थिरता और पारदर्शिता लेकर आएगा। आने वाले विधानसभा चुनाव यह तय करेंगे कि केरल की जनता इस आहट को केवल एक भाषण मानती है या वास्तव में परिवर्तन की शुरुआत।

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

कोतवाली के सामने स्थित हनुमान मंदिर से घंटा चोरी, श्रद्धालुओं में आक्रोश

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली के ठीक सामने स्थित हनुमान मंदिर में बृहस्पतिवार की रात अज्ञात चोर मंदिर में लगा घंटा चुरा ले गए। घटना से श्रद्धालुओं में आक्रोश है। मोहल्ला निवासी नीलेश शर्मा ने बताया कि इससे पहले भी कई बार मंदिर से घंटा चोरी हो चुकी है। हर बार पुलिस को शिकायत दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी, जिससे चोरों के हौसले बढ़ गए हैं। बताया गया कि रात के समय अज्ञात चोरों ने मंदिर में लगे घंटे की जंजीर तोड़ दी और घंटा खोलकर फरार हो गए। सुबह जब श्रद्धालु मंदिर पहुंचे, तब चोरी की जानकारी हुई। मामले की सूचना पुलिस को दी गई है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है।

शिक्षक की पत्नी ने जीता मिसेज उत्तर प्रदेश का खिताब

डलमऊ रायबरेली डलमऊ के एक प्राथमिक विद्यालय में तैनात शिक्षक की पत्नी को मिसेज उत्तर प्रदेश का खिताब मिला है लखनऊ में आयोजित हुई प्रतियोगिता में पद्मश्री कोल्हापुरी ने सम्मानित किया है। विकासखंड के सभी शिक्षकों ने बधाई दी है। डॉ रंजना वाजपेई के पति संतोष कुमार प्राथमिक विद्यालय नरसवां में सहायक अध्यापक है। डॉक्टर रंजना खुद इतिहास विषय की प्रवक्ता है और बछरावां के आश्रम पद्धति विद्यालय में कार्यरत है पिछले दिनों एक निजी संस्था के द्वारा रायबरेली में आयोजित हुई प्रतियोगिता में उन्हें विजेता घोषित किया गया इसके बाद रविवार को लखनऊ मे क्रिएटिव आई फाउंडेशन द्वारा आयोजित भव्य सौंदर्य प्रतियोगिता में मिसेज उत्तर प्रदेश 2026 का विजेता घोषित किया गया। इस प्रतियोगिता में डॉक्टर रंजना वाजपेई ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मिसेज उत्तर प्रदेश सीजन 3 का स्थान हासिल किया इसके साथ ही निर्णायक मंडल ने उनकी प्रतिभा से प्रभावित होकर तीन अन्य विशेष उप शीर्षकों से नवाजा है। डॉक्टर रंजना वाजपेई ने मिस प्राइड ऑफ स्टेट 2026, मिसेज एलिगेंट 2026 और क्वीन ऑफ़ एक्सीलेंस के खिताब अपने नाम किये है। एक पैर मे समस्या होने के बावजूद उन्होंने अपने आत्मविश्वास और जुनून के दम पर बचपन से इस सपने को पूरा करने के लिए अथक परिश्रम किया।उन्होंने रैंप वॉक टैलेंट राउंड और पर्सनैलिटी राउंड में बेहतरीन प्रदर्शन किया कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रही बॉलीवुड अभिनेत्री व पद्म श्री कोल्हापुरी ने उन्हें सम्मानित किया। शिक्षक की पत्नी की सफलता पर शिक्षकों ने उन्हें बधाई दी है।

बसंत पंचमी पर मेले का किया गया आयोजन,सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात

घुरवारा। चौदहमील में बसंत पंचमी के अवसर पर एक विशाल मेले का आयोजन किया गया। चौदहमील में स्थित बईलाने बीर बाबा मंदिर पर आयोजित इस मेले में हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए उमड़े। श्रद्धालुओं ने मंदिर में पूजा-अर्चना कर भगवान का आशीर्वाद लिया और प्रसाद चढ़ाया। बईलाने बीर बाबा मंदिर के प्रति स्थानीय लोगों की गहरी आस्था है। आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में भक्त यहां पहुंचते हैं। बसंत पंचमी के दिन सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी थी।लोगों ने बताया कि इस मंदिर में हजारों की संख्या में श्रद्धालु आते है।यह मंदिर सैकड़ों वर्ष पुराना है। यहां पर लोग मन्नते मांगते है।मन्नते पूरा होने पर लोग मंदिर में लड्डू,अगरबत्ती,घंटा आदि चढ़ाते है।

मेले में बच्चों के मनोरंजन के लिए विभिन्न प्रकार के खेल, खिलौनों की दुकानें और झूले लगाए गए थे। मेले में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया था। भीड़ को नियंत्रित करने और यातायात सुचारु रखने एवं वाहनों की रफ्तार कम रहे इसके लिए बैरियर लगाए गए। इस मेले में छविनाथ, पिंटू त्रिवेदी, रामफल, रामस्वरूप, पंचम सहित हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

दबंगई की हद! विरोध के बावजूद कूड़ाघर के किनारे राशन दुकान, बिराहिमपुर में उबाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद (लखनऊ): उत्तर प्रदेश के लखनऊ जिले के मलिहाबाद ब्लॉक अंतर्गत बिराहिमपुर गांव में एक विवादास्पद मामला सामने आया है। गांव के दबंग प्रधान रामशंकर कश्यप पर आरोप लग रहे हैं कि उन्होंने ग्रामीणों के विरोध के बावजूद कूड़ाघर के निकट सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान (राशन दुकान) बनवा दी है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह फैसला स्वास्थ्य और खाद्यान्न सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकता है।ग्रामीणों ने बताया कि बारिश के मौसम में इस इलाके में पानी भर जाता है, जिससे राशन दुकान के आसपास जलभराव हो जाता है। ऐसे में अनाज और अन्य राशन सामग्री भीगने या खराब होने का खतरा बना रहता है। इसके अलावा, कूड़ाघर के ठीक बगल में राशन की दुकान होना स्वच्छता के मानकों के खिलाफ माना जा रहा है। लोग मानते हैं कि इससे कीट-पतंगे, दुर्गंध और बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है, खासकर गरीब परिवारों के लिए जो यहां से अनाज लेते हैं। एक ग्रामीण ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, 'प्रधान जी ने गांव वालों की एक नहीं सुनी। हमने कई बार मौखिक विरोध किया, लेकिन काम रुकवाने की बजाय तेजी से चलवाया जा रहा है। कूड़े के ढेर के पास राशन दुकान बनाना बिल्कुल गलत है। बारिश में तो पानी में अनाज डूब जाएगा। 'ग्रामीणों ने इस मुद्दे को लेकर लिखित आवेदन भी संबंधित अधिकारियों को सौंपा है। आवेदन में उन्होंने दुकान का स्थान बदलने या निर्माण कार्य रोकने की मांग की है। हालांकि, अभी तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है और निर्माण कार्य जारी बताया जा रहा है। प्रधान रामशंकर कश्यप से इस मामले पर प्रतिक्रिया लेने के प्रयास किए गए, लेकिन वे उपलब्ध नहीं हो सके।

स्थानीय प्रशासन से भी इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान नहीं मिला है।यह मामला ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और स्थानीय नेताओं की मनमानी के मुद्दे को फिर से उजागर करता है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांग नहीं मानी गई तो वे आगे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। प्रशासन से अपेक्षा की जा रही है कि वह जल्द से जल्द इस विवाद की जांच कर उचित कार्रवाई करे ताकि लोगों का विश्वास सरकारी व्यवस्था पर बना रहे।

माँ सरस्वती जी का भव्य पूजन एवं हवन का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

......नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती पराक्रम दिवस मनाया गया।

या कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता।
या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना।
या ब्रह्माच्युत शंकरप्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता।
सा माम् पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड् याप्हा।

लखनऊ। युगाब्द 5127 विक्रम संवत 2082 माघ शुक्ल पक्ष पंचमी शुक्रवार को बसन्त पंचमी के पावन पर्व एवं नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती पराक्रम दिवस के अवसर पर अटल बिहारी वाजपेयी नगर निगम डिग्री कॉलेज लखनऊ में विद्या और बुद्धि की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती जी का भव्य पूजन एवं हवन का आयोजन कर वसन्तोत्सव का शुभारम्भ हुआ। आचार्य श्री ने पूजन के क्रम में वसन्त ऋतु की महत्ता का वर्णन करते हुए कहा भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा कि 'ऋतुओं में मैं वसन्त हूँ ये कहकर प्रभू ने इस ऋतु की श्रेष्ठता को सिद्ध कर दिया इसलिए वसन्त को ऋतुराज कहते हैं। उक्त अवसर पर आचार्य ने मुख्य यजमान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 सुभाष चन्द्र पाण्डेय द्वारा नवग्रह पूजन एवं हवन कार्यक्रम फिर सरस्वती माँ पर माल्यार्पण, पुष्पार्चन एवं मन्त्रोच्चारण के साथ विधि विधान से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं, कार्यालय स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं ने पूर्णाहुति दी एवं महाविद्यालय के विकास के लिए मंगल कामना की। पीले रंग के प्रसाद वितरण के साथ वसन्तोत्सव सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में अविभाजित भारत के प्रथम प्रधानमंत्री नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती पराक्रम दिवस पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 सुभाष झन्द्र पाण्डेय ने छात्र-छात्राओं को आजाद हिंद की अंतरिम सरकार एवं उसके मंत्रिमंडल तथा स्वतंत्रता आन्दोलन में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला।

विद्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई बसंत पंचमी

हरगांव। सरस्वती विद्या मंदिर शिशु मंदिर, हरगांव में बसंत पंचमी का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भैया धनंजय सिंह ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन-पूजन द्वारा हुआ, जिसके उपरांत मां सरस्वती की वंदना की गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री बिपिन बिहारी शुक्ला ने अपने उद्बोधन में बसंत पंचमी के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व ज्ञान, विद्या और संस्कारों का प्रतीक है। उन्होंने इस अवसर पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती, राष्ट्रकवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की जयंती तथा वीर हकीकत राय के बलिदान पर भी विचार व्यक्त किए और विद्यार्थियों से उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विद्यालय के व्यवस्थापक श्री ललन बाबूजी शुक्ला, कोषाध्यक्ष श्री राम प्रकाश तिवारी सहित अन्य पदाधिकारियों ने भैया- बहनों को आशीर्वचन प्रदान किए। पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर भक्ति, अनुशासन और उत्साह से परिपूर्ण रहा। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य अनिल जी द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

श्री परशुराम मंदिर निर्माण के प्रथम ईश्वरीय कार्य का पावन शुभारंभ

सीतापुर मंशाराम नव-निर्मित परशुराम ब्राह्मण चेतना मंच के तत्वावधान में श्री परशुराम मंदिर के निर्माण कार्य के प्रथम चरण (छत निर्माण) के सफल एवं सुचारू रूप से पूर्ण होने के पावन उपलक्ष्य में ईश्वर कृपा से प्रथम धार्मिक अनुष्ठान के रूप में श्री रामचरित मानस पाठ का आयोजन किया जा रहा है। 24 जनवरी 2026 (शनिवार) यह मानस पाठ न केवल मंदिर निर्माण की आध्यात्मिक शुरुआत है, बल्कि समाज में धर्म, संस्कार और चेतना के विस्तार का एक पवित्र प्रयास भी है। प्रभु श्रीराम की अमृतमयी वाणी से वातावरण भक्तिमय होगा और समस्त क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। अतः आप सभी श्रद्धालु भक्तजन,धर्मप्रेमी बंधु एवं मातृपित्रशक्तियों से विनम्र अनुरोध है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर इस पुण्य अवसर के साक्षी बनें, मानस पाठ अनुष्ठान में सहभागी होकर पुण्य लाभ अर्जित करें एवं अपने जीवन को कृतार्थ करें। आपकी गरिमामयी उपस्थिति से ही यह आयोजन पूर्णता को प्राप्त करेगा।

सुल्तानपुर में मनाया गया इमाम हुसैन का जन्मदिन

● बधुआंकलां में फल, मिठाई और पानी का किया गया वितरण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर- बधुआंकलां में शुक्रवार को हज़रत इमाम हुसैन का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर स्टॉल लगाकर फल, मिठाई, बिसलरी पानी और चॉकलेट वितरित किए गए। हजारों लोगों ने इमाम हुसैन को उनके जन्मदिवस पर याद किया और एक-दूसरे को मुबारकबाद दी। खादिम अब्बास ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी इमाम हुसैन के जन्मदिन पर शुक्रवार को निःशुल्क मिठाई, फल, पानी और चॉकलेट का वितरण किया गया। उन्होंने कहा कि इमाम हुसैन इंसानियत के मसीहा हैं, जिनका सम्मान पूरी दुनिया में हर कौम और धर्म के लोग करते हैं।

मौलाना फकीह हैदर ने इस अवसर पर कहा कि यह अभियान इमाम हुसैन की याद में है, जो करोड़ों इंसानों के लिए गरिमा, शांति और बुनियादी मानवाधिकारों के साथ रहने के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने इमाम हुसैन के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर दिया। गुलाब अब्बास ने जानकारी दी कि इमाम हुसैन के जन्मदिवस पर यह आयोजन हर साल किया जाता है। सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक लोगों को फल, मिठाई और पानी वितरित किया गया। इस मौके पर अली अब्बास, हैदर अली, हसन अब्बास, गुड्डू, नूराई, शोएब अहमद, फारुख, हुसैनी, सरवर, साकिर हुसैन, उस्मान खान, मोहम्मद, गाजी अब्बास, राहिल, सैफ, हसनैन जैदी और मसीह सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। यह जानकारी फज़ल रिज़वी फैज़ ने दी।

आजाद समाज सेवा समिति ने किया 48 यूनिट रक्तदान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती के अवसर पर आजाद समाज सेवा समिति ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शुक्रवार को मेडिकल कॉलेज स्थित ब्लड बैंक में आयोजित इस शिविर में संस्था के 48 पदाधिकारियों ने रक्तदान किया। इस दौरान कुल 48 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। शिविर का शुभारंभ वरिष्ठ समाजसेवी करतार केशव यादव, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक आरके मिश्रा, ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. संजय सिंह और वरिष्ठ चिकित्सक एके गोयल की उपस्थिति में हुआ। अतिथियों ने रक्तदान करने वालों को प्रशस्ति पत्र भी वितरित किए। संस्था के संस्थापक और राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी रक्तदानियों का उत्साहवर्धन करने के लिए उपस्थित रहे। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी करतार केशव यादव ने आजाद समाज सेवा समिति द्वारा आयोजित इस रक्तदान कार्यक्रम की सराहना की। संस्था अध्यक्ष अशोक सिंह ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने देश की आजादी के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया था। उनके सपनों को पूरा करने के लिए देश में एकता और अखंडता बनाए रखना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

रक्तदान करने वालों में मेडिकल कॉलेज के डॉ. राघवेंद्र सोनकर, डॉ. मनीष श्रीवास्तव, डॉ. नीरज सिंह, डॉ. एस.के. तिवारी, रजनी सिंह, शराफत खान, रजा अब्बास जैदी, अजय सिंह (डब्लू), शिवशंकर सिंह, गिरीश तिवारी (बब्लू), वसीम राजा, महफूज अली (बब्बन), शैलेश कुमार वर्मा, मसूद अहमद, विजय कुमार, सतेंद्र कुमार सिंह, दिनेश यादव, सफीक घोसी, खालिद अली, महेंद्र निषाद, जयप्रकाश सिंह, शैलेंद्र प्रताप सिंह उतरी, अर्पित गुप्ता, अनुज, ऋषभ सिंह, प्रिंस सिंह, विनोद रावत, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, हवलदार सिंह, दल बहादुर सिंह, अमित सिंह, अंकुर अग्रहरि, सुरजीत वर्मा, प्रमोद तिवारी, अमित यादव, अभिषेक सिंह, योगेंद्र प्रताप सिंह, विनय सिंह, मोईद अहमद, शरद त्रिपाठी, सुशील त्रिपाठी, प्रवीण, श्यामशंकर, पवन शर्मा, जितेंद्र सिंह, कुलदीप कुमार, अमित शर्मा और रंजीत कुमार सहित कुल 48 लोग शामिल थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था उपाध्यक्ष बब्लू सिंह प्रधान, ओम प्रकाश गौड़, मयंक पांडेय, आलोक निषाद, विनोद पांडेय, मकसूद अंसारी, विक्रम जायसवाल, दीपक सिंह, शमशाद अहमद और अरविंद यादव सहित अन्य सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

मलिहाबाद कस्बे में नगर पंचायत की सख्त कार्रवाईः अतिक्रमण हटाया, जाम की समस्या से मिली राहत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ/मलिहाबादः उत्तर प्रदेश के लखनऊ जिले के प्रसिद्ध आम उत्पादक कस्बे मलिहाबाद में नगर पंचायत ने सड़कों पर हो रहे अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। नगर पंचायत की टीम ने जेसीबी की मदद से दुकानदारों द्वारा सड़क पर लगाए गए बैनर, पोस्टर और टीन के पल्लों को हटा दिया। इस दौरान भारी पुलिस प्रशासन भी मौजूद रहा, जिससे कार्रवाई सुचारू रूप से पूरी हुई।स्थानीय दुकानदारों द्वारा दुकानों के बाहर सामान, बैनर और अन्य सामग्रियां रखने से मलिहाबाद के मुख्य बाजार क्षेत्रों में लंबे समय से जाम की समस्या बनी हुई थी। इससे आम नागरिकों, खासकर राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी होती थी। नगर पंचायत ने इस समस्या को देखते हुए पहले ही दुकानदारों को नोटिस जारी कर अतिक्रमण हटाने के लिए सूचित किया था। हालांकि, कई दुकानदारों ने सूचना के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया, जिसके बाद नगर पंचायत ने निर्णायक कार्रवाई करते हुए जेसीबी से अतिक्रमण सामग्री को उखाड़कर ट्राली में जब्त कर लिया।नगर पंचायत के अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई सार्वजनिक सड़कों को मुक्त कराने और यातायात व्यवस्था सुधारने के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में भी यदि कोई अतिक्रमण पाया गया तो ऐसी ही सख्त कार्रवाई की जाएगी। लोगों ने इस कदम का

स्वागत किया है और कहा कि इससे बाजार में आवागमन आसान हुआ है तथा जाम की समस्या काफी हद तक कम हो गई है।यह कार्रवाई मलिहाबाद में पहले भी कई बार की जा चुकी है, जहां नगर पंचायत समय-समय पर अतिक्रमण हटाने के अभियान चलाती रही है। प्रशासन की इस मुहिम से कस्बे की सड़कें अब अधिक सुगम और सुरक्षित हो गई हैं।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर मलिहाबाद के ग्राम पंचायत दतली में निकली भव्य तिरंगा पैदल यात्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। लखनऊः गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश के लखनऊ जिले के मलिहाबाद क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत दतली के अटौरा गांव में एक उत्साहपूर्ण तिरंगा पैदल यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा पूर्व ग्राम प्रधान दिनेश कुमार के नेतृत्व में आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों, युवाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।यात्रा अटौरा से प्रारंभ होकर लगभग 4 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए दतली, गोड़वा और मतैयाखेड़ा गांवों से होकर गुजरी। इस दौरान प्रतिभागियों के हाथों में तिरंगे लहराते दिखे और 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम' जैसे देशभक्ति भरे नारे गूंजते रहे। यात्रा में भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष विनय प्रताप सिंह, पीवीआर स्कूल के संस्थापक महेंद्र रावत, शिवप्रकाश शर्मा, रामकिशन पुष्कर, प्रसादी मौर्य, ओमकार सिंह, डॉक्टर पवन रावत, सोनू रावत, नीरज रावत सहित कई गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।इस अवसर पर स्वतंत्र प्रभात के पत्रकार राहुल कुमार भी मौजूद रहे और कार्यक्रम की सफलता में अपना योगदान दिया। यात्रा के दौरान केवल देशभक्ति का प्रदर्शन ही नहीं किया गया, बल्कि नशे से दूर रहने की अपील भी की गई। प्रतिभागियों ने लोगों को नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए जागरूक किया और कहा कि स्वस्थ एवं सशक्त युवा ही राष्ट्र की मजबूत नींव होते हैं।यह तिरंगा यात्रा न केवल गणतंत्र दिवस की भावना को मजबूत करने वाली साबित हुई, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में एकता, देशप्रेम और सामाजिक जागरूकता का संदेश भी फैलाया। स्थानीय निवासियों ने इस आयोजन की सराहना की और कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवा पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।यह कार्यक्रम मलिहाबाद क्षेत्र में गणतंत्र दिवस की तैयारियों का एक सुंदर उदाहरण बन गया है, जहां ग्रामीण स्तर पर भी देशभक्ति की लौ प्रज्ज्वलित हो रही है।

कुकर फटने से महिला झुलसी घर में मची अफरा-तफरी, खाना बनाते समय हुआ हादसा

सीतापुर जनपद सीतापुर के तालगांव थाना क्षेत्र के दनियालपुर गांव में खाना बनाते समय कुकर फट जाने से एक महिला गंभीर रूप से झुलस गई। जोरदार धमाके के साथ हुए हादसे से घर में अफरा-तफरी मच गई परिजनों और ग्रामीणों की मदद से घायल महिला को तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार दनियालपुर गांव निवासी आश्मी पत्नी बदलू हसन खां रोज की तरह देर रात घर के चूल्हे पर खाना बना रही थीं। इसी दौरान प्रेशर कुकर में अचानक तेज धमाका हुआ और कुकर फट गया। धमाके की आवाज सुनकर घर के अन्य सदस्य और आसपास के लोग मौके पर दौड़ पड़े। कुकर फटने से उबलता हुआ खाना और गर्म भाप महिला के शरीर पर जा गिरी, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गई। हादसे के बाद परिजन तुरंत महिला को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत को गंभीर बताया है चिकित्सकों के अनुसार महिला को शरीर के कई हिस्सों में जलने के साथ चोटें भी आई हैं और उसे निगरानी में रखा गया है जोरदार धमाके के चलते कुछ देर के लिए पूरे घर में दहशत का माहौल बन गया ग्रामीणों का कहना है कि आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग भी सहम गए!!

मोती महल लॉन में अधिवक्ताओं व कार्यकर्ताओं संग धूमधाम से मनाया गया शिवपाल सिंह यादव का 69वां जन्मदिन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
रोशनी सोनकर

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पार्टी की रीढ़ माने जाने वाले शिवपाल सिंह यादव का 69 वां जन्मदिन राजधानी लखनऊ स्थित मोती महल लॉन में भव्य और उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में उनके पुत्र आदित्य यादव और बड़ी संख्या में अधिवक्ता, समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता, पदाधिकारी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और समर्थक शामिल हुए। पूरे आयोजन स्थल को फूल-मालाओं और बैनरों से सजाया गया था, वहीं समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम का आयोजन उत्तर प्रदेश बार काउंसिल का चुनाव लड़ रहे वरिष्ठ अधिवक्ता विनोद कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया। आयोजन के दौरान शिवपाल सिंह यादव का अधिवक्ताओं और कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत किया और जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर केक काटा गया और उपस्थित लोगों ने उनके दीर्घायु होने की कामना की।

अपने संबोधन में शिवपाल सिंह यादव ने सभी उपस्थित लोगों को बसंत पंचमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व ज्ञान, सकारात्मक ऊर्जा और नई शुरुआत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ऐसे शुभ अवसर हमें अपने उद्देश्य और संघर्ष को और मजबूत करने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियों में संघर्ष का रास्ता आसान नहीं है, लेकिन समाजवादी विचारधारा के कार्यकर्ताओं को पूरी मजबूती के साथ जनता के बीच रहकर उनके सुख-दुख में सहभागी बनना होगा। शिवपाल सिंह यादव ने जोर देकर कहा कि समाजवादी आंदोलन की ताकत कार्यकर्ताओं की निष्ठा और जनता से जुड़ाव में निहित है। उन्होंने आगे कहा कि समाजवादी पार्टी ने हमेशा वंचित, कमजोर और शोषित वर्गों की आवाज उठाई है और आगे भी उठाती रहेगी। अधिवक्ताओं की भूमिका पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि न्याय व्यवस्था को मजबूत करने में अधिवक्ताओं का योगदान अहम है और समाजवादी पार्टी ने सदैव उनके हितों की रक्षा के लिए काम किया है। कार्यक्रम में मौजूद अधिवक्ता अजीत कुमार यादव ने अपने संबोधन में कहा कि शिवपाल सिंह यादव ने हमेशा परिवार, संगठन और पार्टी को एकजुट रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने प्रयागराज में महामंडलेश्वर के स्नान को लेकर चल रहे विवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि इस तरह की घटनाओं से सनातन परंपराओं का अपमान हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि इसका असर आने वाले विधानसभा चुनावों में देखने को मिलेगा और जनता सरकार की कथित तानाशाही को समाप्त करेगी।

अजीत कुमार यादव ने यह भी कहा कि अधिवक्ताओं के कल्याण के लिए जितना कार्य समाजवादी पार्टी ने किया है, उतना किसी अन्य राजनीतिक दल ने नहीं किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर अधिवक्ताओं के लिए फिर से क्रांतिकारी और ऐतिहासिक कदम उठाए जाएंगे। इस अवसर पर अधिवक्ता अजीत यादव, अधिवक्ता अजीत यादव, अधिवक्ता सत्य नारायण यादव, अधिवक्ता जीवन कुमार यादव, अधिवक्ता सुभाषचंद्र यादव, अधिवक्ता देवराज यादव, अधिवक्ता अशोक कुमार, अधिवक्ता सुनील कुमार, अधिवक्ता राहुल यादव, अधिवक्ता पंकज यादव, अधिवक्ता सुदेश कुमार, अधिवक्ता आलोक कुमार, अधिवक्ता ज्ञान सिंह यादव, अधिवक्ता आनंद कुमार, अधिवक्ता सतीश यादव, अधिवक्ता के. के सिंह, अधिवक्ता अभय सिंह समेत सैकड़ो लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने शिवपाल सिंह यादव के स्वस्थ और दीर्घ जीवन की कामना करते हुए समाजवादी पार्टी और उसकी विचारधारा को मजबूत करने का संकल्प लिया।

मोन गांव स्थित बाबा ओरीदास मंदिर में मेले के प्रथम दिन श्रद्धालुओं की उमड़ी भारी भीड़

महराजगंज रायबरेली। विकासखंड क्षेत्र के मोन गांव में सैकड़ो वर्ष प्राचीन बाबा ओरीदास के मंदिर के मेले का शुभारंभ उपजिलाधिकारी गौतम सिंह व ग्राम प्रधान श्यामकला द्वारा हवन पूजन के पश्चात कराया गया। शुक्रवार को बसंत पंचमी की सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए लाइनों में खड़े रहे। प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी बसंत पंचमी के दिन से हवन पूजन व भण्डारे के बाद मेले की शुरुआत हुई। मोन गांव स्थित इस मंदिर पर लोगों की अटूट आस्था भी है। यहां लगने वाले विशाल मेले में रायबरेली जनपद ही नहीं आसपास के जनपदों से भी लोग दर्शन करने के लिए आते हैं। और ओरीदास बाबा पर जलाभिषेक व दर्शन करते हैं। शुक्रवार सुबह करीब दस बजे उपजिलाधिकारी गौतम सिंह, ग्राम प्रधान श्यामकला व मेला कमेटी ने हवन पूजन कर मेले का शुभारंभ किया। मेले का शुभारंभ करने के बाद उपजिलाधिकारी ने मेले में घूमकर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस मौके पर मेले के व्यवस्थापक सीताराम, अमरेंद्र सिंह, रज्जन महराज, सुशील पांडेय, अंशुमान मिश्रा, धनंजय सिंह, समेत दर्जनों लोग मौजूद रहे। बसंत पंचमी पर ओरीदास मंदिर मेले में आयोजित दंगल प्रतियोगिता में लखनऊ कैंट के कमांडो पहलवान ने कानपुर के कुलदीप पहलवान को हराकर फाइनल कुश्ती का खिताब जीता। इसके पहले गैर जनपदों व क्षेत्रीय पहलवानों के बीच दर्जनों कुश्तियां हुई। जिसमें लखनऊ के सचिन, मोहित

व चंदन आदि का बेहतर प्रदर्शन रहा। दंगल में विजेता और उपविजेता पहलवानों को आयोजक समीर सिंह उर्फ आशू सिंह ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस मौके पर आशीष सिंह, राम यश सिंह, धनंजय सिंह, मनोज सिंह, श्यामचंद सिंह, सीताराम अमरेंद्र सिंह, विद्याकांत अवस्थी, अमरेश कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

सड़क हादसे में साइकिल सवार की मौत

बिसवां (सीतापुर) कोतवाली क्षेत्र के भोलागंज पुलिस चौकी के निकट शुक्रवार को सड़क हादसे में साइकिल सवार बोरिंग मिस्त्री की मौत हो गई। मृतक की पहचान रामनाथ पुत्र पुत्तू, निवासी ग्राम सिरसा कला, थाना बिसवां के रूप में हुई है। वह बोरिंग का काम करने के लिए साइकिल से जा रहे थे। जैसे ही वह बिसवां-रेउसा रोड पर भोलागंज पुलिस चौकी के पास पहुंचे, पीछे से आ रहे तेज़ रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि रामनाथ की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेजने की विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार बताया जा रहा है। इस दुर्घटना से मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया है और उनका रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

संक्षिप्त खबरें

श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा में नेताजी की 130वीं जयंती और सरस्वती पूजा का आयोजन धूमधाम से किया जा रहा है

श्रीभूमि- असम के अन्य जिलों के साथ तालमेल बनाते हुए, हर साल की तरह इस वर्ष भी श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा बस स्टैंड पर नेताजी की 130वीं जयंती भावपूर्ण अंदाज में स्थायी प्रतिमा के सामने धूमधाम से मनाया गया। इस दिन स्थानीय प्रमुख व्यक्ति और स्कूल के छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रीय गीत प्रस्तुत किया और नेताजी अमर रहें, हम आपको भूलेंगे नहीं, आज़ाद हिंद फौज ज़िंदाबाद के नारे लगाए। जयंती समारोह में समाजसेवी श्यामल घोष, नव किशोर देव, कृष्णपद मालाकार, श्यामल भट्टाचार्य, अरुण चंद्र, अनुप दास, मंटू कोहार और सरस्वती विद्यानिकेतन के आचार्य सूर्या रेखा सिन्हा सहित स्कूल के छात्र-छात्राएँ और अन्य उपस्थित थे। दूसरी ओर, जिले में धूमधाम से मनाया जा रहे हैं विद्या देवी सरस्वती की पूजा और इस सरस्वती पूजा के लिए सुबह ही क्षेत्र के सरकारी और निजी शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थी और शिक्षक पूजा में व्यस्त रहे। इसके कारण सुबह से ही प्रमुख सड़कें जन सैलाब से भर गईं। इसके अलावा कई माता-पिता छोटे बच्चों को साथ लेकर पूजा में भाग लिया।

गायत्री महायज्ञ सम्पन्न होने पर हुआ विशाल भण्डारा

बाराह देवी मन्दिर में हुए इस गायत्री महायज्ञ दौरान रामलीला का भी हुआआयोजन

हमीरपुरः- जनपद के खड़ेही जार, धनपुरा, कल्ला और कलकापुरवा गांवों के बीच स्थित बाराह देवी मन्दिर में बीती 16 जनवरी से चल रही गायत्री महायज्ञ शुक्रवार के दिन विशाल भण्डारा के साथ सम्पन्न हो गई।इस धार्मिक महोत्सव को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल रहा।आठ दिनों तक चले इस आयोजन में रात्रि के समय ख्याति प्राप्त कलाकारों द्वारा रामलीला का मंचन किया गया।वहीं यज्ञ आहुतियों देकर जन कल्याण और विश्व कल्याण की कामना की गई। इस पावन अवसर पर श्री प्राप्त महामण्डलेश्वर रामदेव महाराज (बाँकी आश्रम, भरुआ सुमेरपुर) की गरिमामयी उपस्थिति रही। महायज्ञ के यज्ञाचार्य श्री सुरेश द्विवेदी (चन्दौखी) तथा भागवताचार्य श्री लखनलाल दीक्षित (बाँदा) धार्मिक अनुष्ठानों का विधिवत संचालन किया। महोत्सव का समापन विशाल भण्डारे के साथ हुआ, जिसमें हजारों श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान यज्ञ परिसर के पास लगे मेला में महिलाओं और बच्चों में जमकर खरीदारी की और झूलों का आनंद उठाया। कार्यक्रम का आयोजन श्री बाराह देवी मन्दिर यज्ञ समिति द्वारा किया गया।

15 फीट लंबा अजगर खेत में दिखने से मचा हड़कंप, ग्रामीणों ने देखा अजगर शोर सुनकर नदी में उतरा

सीतापुर जनपद सीतापुर के सकरन थाना क्षेत्र के सुमरावा गांव में उस समय हड़कंप मच गया, जब गांव के पूरब स्थित चौका नदी के किनारे एक खेत में करीब 15 फीट लंबा विशालकाय अजगर दिखाई दिया। अजगर को देखकर खेत में काम कर रहे ग्रामीणों में दहशत फैल गई कुछ देर बाद अजगर खेत से निकलकर पास ही बह रही चौका नदी में चला गया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना तत्काल वन विभाग को दे दी है। जानकारी के अनुसार सुमरावा गांव निवासी शिवकुमार का खेत चौका नदी के किनारे स्थित है। उन्होंने अपने खेत में केले और धनिया की फसल बो रखी है। गुरुवार शाम को शिवकुमार खेत की निराई-गुड़ाई करने के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान उनकी नजर खेत में मौजूद एक विशाल अजगर पर पड़ी अजगर को देखते ही शिवकुमार घबरा गए और पास के खेत में काम कर रहे कमलेश कुमार, राकेश कुमार, सर्वेश कुमार और राजकुमार को आवाज देकर बुला लिया। ग्रामीणों के एकत्र होने और शोर-शराबा होने पर अजगर खेत से निकलकर सीधे चौका नदी की ओर चला गया। अजगर के नदी में चले जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली, लेकिन क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि नदी किनारे खेत होने के कारण भविष्य में भी इस तरह की घटना की आशंका बनी रहती है, जिससे खेतों में काम करना जोखिम भरा हो सकता है। घटना की सूचना मिलने पर वन विभाग को अवगत कराया गया। इस संबंध में डिप्टी रेंजर शैलेश कुमार ने बताया कि फिलहाल उन्हें इस मामले की जानकारी नहीं मिली है लेकिन सूचना मिलने पर टीम भेजकर मौके की जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि क्षेत्र में अजगर की मौजूदगी की पुष्टि होती है तो आवश्यक कार्रवाई करते हुए ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी!!

पंजीकृत ठेकेदारों ने टेंडर प्रक्रिया में पक्षपात के आरोप लगाते हुए सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर- नगर पालिका परिषद मौदहा के पंजीकृत ठेकेदारों ने टेंडर प्रक्रिया में अधिकारियों और चहेते ठेकेदारों की मिलीभगत का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंपा। ठेकेदारों ने प्रकरण में निष्पक्ष एवं न्यायोचित कार्रवाई की मांग की है। ठेकेदारों का कहना है कि बीते 20 जनवरी को सुमेरपुर से हमीरपुर तक राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगे भीषण जाम के कारण वे नगर पालिका कार्यालय लगभग 12 मिनट की देरी से पहुंचे थे। इसके बावजूद पालिका प्रशासन ने ऑफलाइन टेंडर प्रक्रिया में शामिल होने और टेंडर बॉक्स में लिफाफा डालने से उन्हें रोक दिया। इस मामले की शिकायत पूर्व में अधिशासी अधिकारी और अपर जिलाधिकारी से भी की गई थी, लेकिन कोई समाधान न होने पर मजबूरन पीड़ित ठेकेदारों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ठेकेदारों का आरोप है कि नगर पालिका प्रशासन भेदभावपूर्ण रवैया अपनाते हुए अपने चहेते ठेकेदारों को ही निर्माण कार्य देना चाहता है, इसी कारण समस्या का निराकरण नहीं किया जा रहा है।

ठेकेदारों ने यह भी कहा कि शासन के निर्देशानुसार पहले ऑनलाइन टेंडर प्रक्रिया पूर्ण की जाती है, उसके बाद ही स्वीकृत ठेकेदारों से ऑफलाइन टेंडर आमंत्रित किए जाते हैं। इसके बावजूद नगर पालिका प्रशासन अपने मनमाने नियम लागू कर शासन के निर्देशों की अनदेखी कर रहा है। नगर के संभ्रांत लोगों और ठेकेदारों ने आरोप

लगाया कि जब समस्या के समाधान के लिए अधिशासी अधिकारी को फोन किया जाता है तो उनका फोन रिसीव नहीं होता, जबकि शासन की मंशा है कि सीओजी नंबर के माध्यम से पीड़ितों की शिकायत सुनी जाए और समयबद्ध निराकरण किया जाए।इस संबंध में उप जिलाधिकारी करणवीर सिंह ने बताया कि उन्हें ज्ञापन प्राप्त हुआ है और मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

सिलापथार में सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, सिलागांव में शोक की माहौल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीलापथार। सीलापथार थाने अंतर्गत एक नंबर सीलागांव के कानू बैद्य के तीसरे बेटे 21 साल के राजेश बैद्य और उसी गांव संजीत वैद्य के 21 साल के बेटा समीर बैद्य को कल रात लिकाबाली से As 22 L4107 नंबर के मटर साइकिल से लिकाबलि से घर आते समय फुलबारी बुद्ध मठ के सामने दुर्घटनाग्रस्त हो गए। खबर अनुसार रात को करीब 10 बजे मोटरसाइकिल नियंत्रण खो जाने की कारण इए हादसे हुआ। हादसे में राजेश बैद्य की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि समीर बैद्य गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे इलाज के लिए मौके डिब्रुगढ़ भेजा गया। इलाज के दौरान आज दोपहर करीब 3.30 बजे उसकी मौत हो गई। राजेश के घर में अपनी चाचा के बेटी की आज शादी थी तैयारियों संपूर्ण हो गई थी। स्वरस्वती पूजा के दिन इस हालात में एक ही गांव के दो युवकों की मृत्यु से परिवार सहित समग्र गांव सदमे में हैं। आज शाम को राजेश बैद्य के शव पोस्टमॉर्टम के बाद उनके घर पर अंतिम संस्कार कर दिया गया। खबर लिखे जाने तक समीर का शव घर नहीं पहुंचा था।

दिल्ली चलो नारे के प्रणेता थे नेताजी सुभाष बाबू : चंद्रभूषण

देवरिया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर रामपुर कारखाना विधानसभा क्षेत्र के डुमरी स्थित समाजवादी पार्टी जनसंपर्क कार्यालय पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सपा के पूर्व प्रवक्ता चंद्रभूषण सिंह यादव ने कहा कि नेताजी सुभाष बाबू 'दिल्ली चलो' नारे के प्रणेता थे और उन्होंने देश की आजादी के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि 23 जनवरी 1897 को जन्मे नेताजी ने आईसीएस जैसी प्रतिष्ठित सेवा को त्यागकर देश को स्वतंत्र कराने का कठिन मार्ग चुना। महात्मा गांधी की अहिंसात्मक विचारधारा से अलग उन्होंने आजाद हिंद फौज का गठन कर अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध सशस्त्र संघर्ष की अलख जगाई। 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' जैसे ओजस्वी नारे से उन्होंने देशवासियों में बलिदान की भावना जागृत की। कार्यक्रम में रामप्यारे यादव, श्रीकांत धरकार, शंकर गोंड, बेलभद्र गोंड, अभिषेक गोंड, अमीन अंसारी, लालू अंसारी सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने नेताजी को श्रद्धापूर्वक नमन किया।

प्रधान प्रतिनिधि पर तलवार से हमला खेत में कार उतरने से कार क्षतिग्रस्त प्रतिनिधि बाल- बाल बचे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के हरगांव थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम प्रधान प्रतिनिधि पर जानलेवा हमला किए जाने से इलाके में सनसनी फैल गई। घात लगाए बैठे दबंगों ने तलवार से हमला कर दिया। गनीमत रही कि प्रधान प्रतिनिधि कार के अंदर होने के कारण बाल-बाल बच गए, लेकिन हमले में उनकी कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना का एक वीडियो, जिसमें एक हमलावर हाथ में तलवार लिए दिखाई दे रहा है, सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार हैदरपुर ग्राम पंचायत के प्रधान प्रतिनिधि धर्मेंद्र सिंह गुरुवार को निजी कार से भनवापुर ग्राम पंचायत का कार्य देखने जा रहे थे आरोप है कि जैसे ही वह कटका-भनवापुर मार्ग पर पहुंचे, पहले से घात लगाए बैठे सुखदीप सिंह उर्फ मुन्ना निवासी बनिहार झाला, कमलेश उर्फ पिंकू निवासी भनवापुर, महेंद्र निवासी शुजौलापुर, पिंटू और एक अज्ञात व्यक्ति ने उनकी कार को रोक लिया आरोप है कि हमलावरों ने तलवार से कार पर हमला कर शीशे तोड़ दिए और जान से मारने की नीयत से झपट पड़े हमले के दौरान कार अनियंत्रित होकर सड़क से 3 फिट नीचे खेत में चली गई। स्थिति बिगड़ती देख धर्मेंद्र सिंह कार छोड़कर मौके से भाग निकले। आसपास के लोगों के पहुंचने पर सभी हमलावर मौके से फरार हो गए घटना की सूचना परिजनों द्वारा पुलिस को दी गई पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर चार नामजद और

एक अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने की मांग की। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि दबंगों द्वारा उनसे रंगदारी मांगी जा रही थी इंकार करने पर जान से मारने की नीयत से हमला किया गया। थाना प्रभारी बलवंत सिंह शाही ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है पुलिस आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है!!

पराक्रम दिवस के रूप में मनाई गई नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुरः- मानवाधिकार सुरक्षा एवं अपराध निरोधक संगठन की जिला इकाई द्वारा मौदहा के छिमौली रोड पर स्थित कांशीराम कॉलोनी में शुक्रवार के दिन नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया गया। इस दौरान एक विचार संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के जिलाध्यक्ष सैय्यद शहबाज अली ने किया। इस अवसर पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए गए तथा उनके क्रांतिकारी विचारों को साझा किया गया। जिलाध्यक्ष सैय्यद शहबाज अली ने बताया कि नेताजी का जन्म 23 जनवरी 1897 को उड़ीसा के कटक जिले में हुआ था। उन्होंने वर्ष 1920 में प्रतिष्ठित आईसीएस परीक्षा उत्तीर्ण की, लेकिन देशसेवा के लिए नौकरी छोड़ दी। राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए उन्होंने 1939 में फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना की। उनका प्रसिद्ध नारा– 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूंगा '–

आज भी युवाओं को प्रेरित करता है।

संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी कमलेश नामदेव ने नेताजी के जीवन से जुड़ी प्रेरणादायक बातों को साझा करते हुए लोगों से राष्ट्रसेवा के लिए आगे आने की अपील की। वहीं वरिष्ठ सदस्य वहीद अहमद ने संगठन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि संस्था गरीब, मजदूर, मजलूम, निराश्रित एवं असहाय लोगों की सहायता के लिए कार्य कर रही है। कार्यक्रम में संगठन के जिलाध्यक्ष (युवा मोर्चा) डॉ. सत्यहरी, इस्लामुद्दीन, जिलामहासचिव आसिफ शकील, लवलेश, अंकुश, शकील, कामता, देवकी, सुमित्रा, अंजलि, सल्लू सहित बड़ी संख्या में कॉलोनीवासी उपस्थित रहे।

नींव की ईंट बन अखिलेश को टीपू सुल्तान बनाएंगे शिवपाल: चंद्रभूषण

देवरिया। शिवपाल सिंह यादव के जन्मदिन के अवसर पर रामपुर कारखाना विधानसभा क्षेत्र के डुमरी स्थित समाजवादी पार्टी जनसंपर्क कार्यालय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सपा के पूर्व प्रवक्ता चंद्रभूषण सिंह यादव ने कहा कि समाजवाद के सजग प्रहरी शिवपाल सिंह यादव अब नींव की ईंट बन अपने भतीजे एवं सपा प्रमुख अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश की राजनीति का टीपू सुल्तान बनाने के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने को तत्पर हैं। उन्होंने कहा कि शिवपाल सिंह यादव ने सदैव नेताजी मुलायम सिंह यादव के लिए ढाल बनकर कार्य किया और संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राजनीति के अनुभवी खिलाड़ी शिवपाल यादव को संगठन खड़ा करने से लेकर सरकार संचालन तक का व्यापक अनुभव है, जिसका लाभ अब पार्टी को मिलेगा। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने शिवपाल सिंह यादव को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं तथा उनके दीर्घायु की कामना की। इस अवसर पर रामप्यारे यादव, चौथी प्रसाद, अभिषेक गोंड, अजीत यादव, छोटू यादव, दिनेश यादव,अमीन अंसारी सहित बड़ी संख्या में सपाई मौजूद रहे।

ग्राम प्रधान के घर लगी आग लाखों का सामान जलाकर खाक, महिलाओं ने भागकर बचाई जान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के लहरपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम डिंगरी भदफर में गुरुवार देर शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब ग्राम प्रधान शिव कुमार यादव के घर में अज्ञात कारणों से अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया जिससे घर में मौजूद महिलाओं में हड़कंप मच गया घर में मौजूद महिलाओं ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। आग लगने की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए ग्रामीणों ने बाल्टी, डिब्बे और अन्य संसाधनों की मदद से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। काफी देर की कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने आग पर काबू पा लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया ग्रामीणों ने बताया कि यदि समय रहते आग पर काबू न पाया जाता तो आग आसपास के अन्य घरों तक भी फैल सकती थी। इस अग्निकांड में ग्राम प्रधान के घर में रखा लगभग 20 कुंतल गेहूं, 10 कुंतल चावल, करीब 20 हजार रुपये की नकदी, जेवरात, कपड़े, तख्त, खटिया समेत लाखों रुपयों का घरेलू सामान जलकर राख हो गया। आग से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है।

ग्रामीणों का कहना है कि अचानक धुआं

उठता देख उन्होंने शोर मचाया, जिसके बाद आग तेजी से फैलती चली गई। सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन को भी अवगत कराया गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। वहीं ग्रामीणों की तत्परता से एक बड़ा नुकसान होने से बच गया!!

जिला मजिस्ट्रेट ने दो अभियुक्तों को किया जिलाबदर

हमीरपुरः- जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने शुक्रवार के दिन आपराधिक प्रवृत्ति के दो अभियुक्तों पर जिलाबदर की कार्यवाही की। उत्तर प्रदेश गुण्डा नियंत्रण अधिनियम के तहत शैलेन्द्र सिंह पुत्र महेंद्र सिंह, निवासी बिहरका थाना मौदहा, जिला हमीरपुर, स्वतंत्र राजपूत पुत्र रामेश्वर, निवासी ग्राम चिल्ली थाना राठ, जिला हमीरपुर के खिलाफ की कार्यवाही की गई है। जिला बदर किए गए इन दोनों लोगों को जिलाधिकारी ने 6 माह के लिए जनपद हमीरपुर से निष्कासित किया है तथा आदेश दिए हैं कि निष्कासन की अवधि में वह जनपद हमीरपुर की सीमा में प्रवेश न करेंगे। जनपद से बाहर जहां वह निवास करेंगे वहां का पता जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय एवं वहां के थाने को देंगे, साथ ही वहां पर किसी प्रकार शस्त्र या हथियार लेकर नहीं चलेंगे। इस आदेश का अनुपालन करने के लिए संबंधित को एक- एक लाख रुपए की दो प्रतिभूतियों एवं इतनी धनराशि का व्यक्तिगत बंधपत्र दाखिल करना होगा।आदेश की प्रति पुलिस अधीक्षक के माध्यम से संबंधित प्रभारी निरीक्षक को प्रेषित की गयी हैं। जिलाधिकारी ने इन दोनों प्रकरणों में पाया कि इन सभी की गतिविधियां समाज के लिए हानिकारक हैं तथा उनकी ख्याति दुःसाहसी एवं समुदाय के लिए खतरनाक प्रवृत्ति की है, इसलिए इनका स्वतंत्र रहना लोकहित में नहीं है।

श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा पार्टी के टिकट की दौड़ में समाजसेवी सुनील चंद्र बिन

● जिला के भाजपा पार्टी के सभापति संजीव बॉनिक के साथ साक्षात्कार किया और बीजेपी के टिकट के लिए अपनी दावेदारी पेश करते हुए ज्ञापन सौंपा।

समाजसेवी सुनील चंद्र बिन ने कहा कि अगर पार्टी मुझे जिम्मेदारी देती है तो मैं उसे पूरी निष्ठा के साथ निभाऊँगा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि : आगामी 26वें विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा पार्टी के उम्मीदवारों के लिए टिकट की दौड़ तेजी से बढ़ रही है। इस दौड़ में समाजसेवी सुनील चंद्र बिन वर्तमान में चर्चित नाम हैं। उन्होंने 2019 में भी भाजपा पार्टी के टिकट के लिए अपनी दावेदारी पेश की थी। संभावित उम्मीदवार के रूप में वह स्वयं को प्रस्तुत कर रहे हैं। इसी क्रम में गत 22 जनवरी (गुरुवार) जिले के भारतीय जनता पार्टी के भवन में जिले के सभापति संजीव बॉनिक के साथ साक्षात्कार किया और बीजेपी के टिकट के लिए अपनी दावेदारी पेश कर स्मारक पत्र सौंपा। समाजसेवी सुनील चंद्र बिन ने रामकृष्णनगर विधानसभा से बीजेपी के टिकट के लिए अपनी उम्मीदवारी प्रस्तुत की।

समाजसेवी सुनील बिन ने मीडिया को बताया कि उन्होंने जिले के बीजेपी भवन में लोकप्रिय जिले के सभापति संजीव बॉनिक से बातचीत की और उन्होंने बीजेपी के टिकट के लिए अपनी उम्मीदवारी रखी। इसके बाद इस विषय पर चर्चा हुई और समाजसेवी सुनील चंद्र बिन ने कहा कि अगर पार्टी मुझे जिम्मेदारी देती है तो मैं इसे पूरी निष्ठा के साथ निभाऊँगा और विकास, पारदर्शिता और लोगों की समस्याओं का सही समाधान ही मेरा मुख्य लक्ष्य होगा। समाजसेवी सुनील चंद्र बिन रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र के विद्यानगर के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि वे खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा 2014 से भाजपा के सदस्य के रूप में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मिल्कीपुर के मैदान में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम, 182 जोड़ों की हुई शादी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिल्कीपुर,अयोध्या। शुक्रवार को विद्यामंदिर इण्टर कालेज मिल्कीपुर के मैदान में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विकास अधिकारी महेंद्र देव सिंह व समाज कल्याण अधिकारी रण विजय सिंह ने की। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में क्षेत्र के 190 जोड़े रजिस्ट्रेशन कराए थे जिनमें 182 जोड़ो पहुंचे और परिणय सूत्र में बंधे। कार्यक्रम में विधान सभा के तीनों ब्लाकों के जोड़े मौजूद रहे। जिसमें मिल्कीपुर ब्लाक क्षेत्र के 63, अमानीगंज के 64, विकासखंड हैरिंग्टनगंज के 48 व नगरपंचायत कुमारगंज के 7 जोड़ो का विवाह सम्पन्न कराया गया। इनमें से 4 जोड़े मुस्लिम समुदाय के थे जिन्हें उनके रीत रिवाज के साथ निकाह कराया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे मिल्कीपुर विधायक चंद्रभानु पासवान ने आए हुए जोड़ो एवं उनके रिश्तेदारों को संबोधित करते हुए कहा कि अब गरीब लोगों को अपनी कन्याओं की शादी के लिए परेशान होने की जरूरत नहीं है। आप अपनी बेटी की शादी योग्य वर के साथ तय कीजिए और विवाह की सारी जिम्मेदारी माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी उठाएंगे। पहले की सरकारों में मात्र 10 हजार रुपए मिलते थे योगी जी की सरकार इसकी राशि निरंतर बढ़ा रही है। इस मौकेपर विधायक ने अपने हाथों से जोड़ो को पायल, बिछिया साड़ी, गद्दा, पंखा सूटकेश आदि 25 हजार का सामान देते हुए वर बधू को आशीर्वाद

दिया। कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी मिल्कीपुर सुधीर कुमार, प्रभारी तहसीलदार रंजन वर्मा, खंड विकास अधिकारी मिल्कीपुर हरिश्चंद्र सिंह, हैरिंग्टनगंज आर.एन. भारती अमानीगंज सूर्य प्रकाश मिश्रा। एडीओ पंचायत सुरेन्द्र कुमार समेत अधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद रहे। वहीं सुरक्षा के मद्देनजर तीनों थाना की पुलिस बल मौजूद रहा।

वंसन्तोत्सव पर्व पर विद्यालय परिसर में ज्ञान की देवी की प्रतिमा का अनावरण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुरः- कुरारा कस्बा के पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज में बसंत पंचमी के पावन अवसर पर शिक्षा, ज्ञान एवं कला की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती की नवीन प्रतिमा का विधिवत अनावरण श्रद्धा एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार, हवन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य सुधाकर वर्मा ने मां सरस्वती के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मां सरस्वती ज्ञान, विवेक, संस्कार और सृजनात्मकता की प्रतीक हैं। उनकी प्रतिमा विद्यार्थियों को अध्ययन, अनुशासन एवं नैतिक मूल्यों की निरंतर प्रेरणा प्रदान करेगी। कार्यक्रम में शैलेन्द्र सिंह, शमशेर सिंह सहित विद्यालय के समस्त शिक्षकगण, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में प्रधानाचार्य ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनसमूह के प्रति आभार व्यक्त किया। वहीं मौदहा में बसंत पंचमी के दिन बसंत ऋतु आगमन के अवसर पर ज्ञान बुद्धि की देवी का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए जगह-जगह शिक्षण संस्थानों में सरस्वती मां की प्रतिमा पर पुष्प ,माला एवं लड्डू से भोग लगाते हुए हवन पूजन कर खुश करने की कोशिश की गई कस्बे के पाण्डव गेस्ट हाउस सरस्वती शिशु मंदिर व सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज सहित कस्बे व ग्रामीण क्षेत्र के अन्य शिक्षण संस्थानों में ज्ञान दायिनी मां सरस्वती जी का प्राकट्योत्सव का कार्यक्रम हवन पूजन के साथ बड़ी धूमधाम से मनाया गया। वही कस्बे के विद्या मंदिर हो रहे कार्यक्रम में मुख्य यजमान के रूप प्रधानाचार्य भारत सिंह हवन पूजन का कार्य पं. रामकुमार शुक्ल द्वारा सम्पन्न कराया गया। इस अवसर पर नौनिहालों का पाटी पूजन एवं प्रवेशोत्सव का कार्यक्रम भी मनाया गया। वही पांडव गेस्ट हाउस ब्रह्म कल्याण एवं संस्कार समिति के सदस्यों में सरस्वती के वंदना के साथ बसंत पंचमी का पर्व मनाया और ज्ञान, बुद्धि की देवी की विस्तार से चर्चा की गई इस अवसर पर शिवकुमार पांडे, श्रीकृष्ण त्रिपाठी, बृजेंद्र गौतम, आनंद त्रिपाठी सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

हत्या का प्रयास में वांछित अभियुक्त 24 घंटे के अन्दर गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात
पुलिस 112
आपात सेवाएं

मिल्कीपुर, अयोध्या। अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना कोतवाली इनायतनगर में पंजीकृत मुकदमा संख्या 026/2026 धारा 109 (1) बीएनएस में वांछित अभियुक्त को 24 घण्टे के अन्दर गिरफ्तार करते हुये थाना इनायतनगर की पुलिस ने घटना का सफल अनावरण किया गया। आरोप है कि आरोपी सौरभ पुत्र खुशीराम निवासी कर्मडांडा की ग्राम पूरे झलिहन कर्मडांडा में जन्मदिन में गए ग्राम सभा निवासी आदित्य श्रीवास्तव पुत्र सुभाष श्रीवास्तव से कहा सुनी हो गई। कहासुनी को लेकर सौरभ ने आदित्य के ऊपर चाकू से हमला कर दिया जिससे आदित्य गंभीर रूप से घायल हो गया है जिसका इलाज लखनऊ में चल रहा। घटना के अलसुबह घायल आदित्य के बाबा द्वारा थाना कोतवाली इनायतनगर मे तहरीर दी गई। थाना प्रभारी रतन कुमार शर्मा ने शुक्रवार शाम को प्रेसनोट के माध्यम से बताया कि आरोपित को 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार करते हुए न्यायालय भेज दिया गया। गिरफ्तार करने वाली टीम में उप निरीक्षक यदुनाथ सिंह, उप निरीक्षक देवब्रत लाल यदुवंशी, हेड कास्टेबल कमलेश कुमार व अन्नू सिंह शामिल रहे।

समरसता भोज समाज को जोड़ने का काम करते हैं: नगर विकास राज्यमंत्री

● सीतापुर सभासद संघ का समरसता तहरी भोज आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। मकर संक्रांति के पावन पर्व और नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जन्म दिवस पर सभासद संघ सीतापुर द्वारा शहर के एक निजी गेस्ट हाउस में समरसता तहरी भोज एवं विशिष्टजन सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वतंत्रता सेनानियों के परिजन, लोकतंत्र सेनानी, समाज हित में उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं विभिन्न वर्गों के लोगों को सम्मानित किया गया। समरसता तहरी भोज में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने एक साथ बैठकर तहरी खानी शुरू की, तो हर तरफ समरसता की बयार बहती नजर आई। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा की राष्ट्रीय परिषद के सदस्य राकेश त्रिपाठी, क्षेत्रीय महामंत्री नीरज वर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष अजय गुप्ता आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन एवं मां सरस्वती एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ। इसके बाद सभासद संघ द्वारा अतिथियों को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर विकास राज्यमंत्री राकेश राठौर गुरू ने इस मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि वसंत पंचमी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि मां सरस्वती की आराधना का पर्व है। यह सामाजिक समरसता, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और आपसी भाईचारे का प्रतीक है। उन्होंने जोर दिया कि ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने और 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूत करने का काम करते हैं। सीतापुर नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष के प्रतिनिधि नमींद्र अवस्थी ने नगर में हुए विकास कार्यों को वर्णन करते हुए नगर के विकास की आगामी योजनाओं की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हर जगह समरसता की आवश्यकता है, इसके लिए ऐसे आयोजन होते रहना चाहिए। सीतापुर सभासद संघ के अध्यक्ष राकेश गुप्ता पिंकू ने सभी आगंतुकों, अतिथियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा

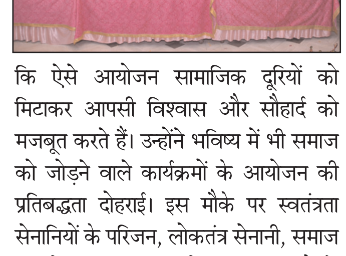

कि ऐसे आयोजन सामाजिक दूरियों को मिटाकर आपसी विश्वास और सौहार्द को मजबूत करते हैं। उन्होंने भविष्य में भी समाज को जोड़ने वाले कार्यक्रमों के आयोजन की प्रतिबद्धता दोहराई। इस मौके पर स्वतंत्रता सेनानियों के परिजन, लोकतंत्र सेनानी, समाज हित में उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं विभिन्न वर्गों के लोगों को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सहित सभासद विनोद गिहार, किशोरी लाल, विष्णु वर्मा, रिजवान खान, कुसुम लता, सर्वेश विश्वकर्मा, आकाश वर्मा, सुरेश कनौजिया, नितिन सिंह, राज किशोर सिंह, धीरज पांडेय, अनूप बाजपेयी, अश्वनी शुक्ला, चंद्र शेखर, रामशरण, प्रदीप गुप्ता, आदि मौजूद रहे।